卐 श्री सदगुरू देवाय नम: 卐 卐 ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा 卐 卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धोः सलिलं सलीलं,यः शोकवह्निं जनकात्मजायाः आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 26 ♦अंक 101 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦शुक्रवार ♦16 जनवरी 2026 ♦मूल्य दो रूपया

कांग्रेस ने किया पुलिस मुख्यालय कूच

किसान सुखवंत सिंह आत्म हत्या प्रकरण का लेकर जोरदार प्रदर्शन

देहरादून(उद संवाददाता)। काशीपुर के किसान सुखवंत सिंह द्वारा पुलिस प्रताड़ना से तंग आकर की गई आत्महत्या का मामला सुलग उठा है। कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतरकर व्यवस्था के खिलाफ हुंकार भरी और ऊधम सिंह नगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को तत्काल पद से हटाने की मांग

शुक्रवार को इस बहुचर्चित प्रकरण ने उस समय उग्र रूप ले लिया जब कांग्रेस ने सरकार और पुलिस प्रशासन के खिलाफ आर-पार की लड़ाई का एलान करते हुए पुलिस मुख्यालय कूच किया। प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल और नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य के नेतृत्व में हजारों की।विदित हो कि काशीपुर के ग्राम पैंगा निवासी किसान सुखवंत सिंह ने 11 जनवरी को हल्द्वानी के गोलापार स्थित एक होटल में खुद को गोली मारकर जीवन लीला समाप्त कर ली थी। मौत को गले लगाने से पहले सुखवंत ने एक रूह कंपा देने वाला वीडियो जारी किया था, जिसमें उसने पुलिस अधिकारियों पर गंभीर भ्रष्टाचार, भू-माफियाओं के साथ साठगांठ और मानसिक उत्पीड़न के सीधे आरोप लगाए थे। इस वीडियो ने खाकी के दामन पर जो दाग लगाए, उसने पूरे प्रदेश की कानून व्यवस्था को कटघरे में खड़ा कर दिया है। हालांकि मामले की एसआईटी जांच चल रही है, लेकिन कांग्रेस ने इसे 'अपराधियों को बचाने की ढाल' करार दिया है। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उत्तराखंड में रक्षक ही भक्षक बन चुके हैं। सुखवंत सिंह लंबे समय से पुलिस और भू-माफियाओं के गठजोड़ की शिकायत लेकर अधिकारियों के चक्कर काट रहे थे, लेकिन उनकी सुनने वाला कोई नहीं था। गोदियाल ने दो टूक कहा कि अगर समय रहते प्रशासन ने भ्रष्टाचार की शिकायतों पर कार्रवाई की होती, तो आज एक किसान को अपनी जान न गंवानी पड़ती। यह आत्म(शेष पृष्ठ सात पर)

62 लाख की स्मैक के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

हल्द्वानी। ड्रग्स फ्री देवभूमि के लक्ष्य को मजबूत करने के लिए नैनीताल पुलिस लगातार कार्रवाई तेज कर रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल डॉ. मंजुनाथ टी.सी. के कड़े निर्देशों और मुख्यमंत्री की नीति के अनुरूप जनपद में मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मुखानी थाना क्षेत्र में चलाए गए विशेष चेकिंग अभियान के दौरान दो स्मैक तस्करों को गिरफ्तार कर पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। गिरफ्तार तस्करों के कब्जे

से कुल 208 ग्राम स्मैक बरामद हुई है, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत 62 लाख 50 हजार बताई जा रही है। एसएसपी कार्यालय के अनुसार 15 जनवरी 2026 को मुखानी थाना क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण और नशा तस्करी की रोकथाम के लिए टीम ने सघन चेकिंग अभियान चलाया। इसी दौरान दो संदिग्धों को रोका गया और तलाशी लेने पर कब्जे से भारी मात्रा में स्मैक मिली। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान धनपाल पुत्र रामसहाय, निवासी जवाहर ज्योति दमुवाढुगा, थाना काठगोदाम के रूप में हुई, जिसके पास से 125 ग्राम स्मैक (शेष पृष्ठ सात पर)

मोबाइल हैक कर साइबर ठगों ने खाते से उड़ाए पांच लाख रुपये

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। साइबर ठगों ने एक व्यक्ति का मोबाइल फोन हैक कर उसके नाम पर लाखों रुपये का लोन स्वीकृत कराया और फिर खाते से पांच लाख रुपये पार कर दिए। पीड़ित की तहरीर पर साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन कुमाऊं रेंज ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ट्रांजिट कैंप के वार्ड नंबर एक लमरा शिमला बहादुर निवासी कौशल गंगवार पुत्र खरसेन गंगवार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बीती तीन जनवरी की दोपहर वह अपने घर पर था। इसी दौरान उसके मोबाइल फोन पर बैंक का संदेश प्राप्त हुआ, जिसे देख उसके होश उड़ गए। संदेश के अनुसार उसके एचडीएफसी बैंक खाते में छह लाख अठारह हजार रुपये का ऋण स्वीकृत कर जमा किया गया था। कौशल के अनुसार उसने किसी भी प्रकार के लोन के लिए आवेदन नहीं किया था। हैरानी की बात यह रही कि इसके कुछ ही देर बाद दो अलग-अलग संदेशों के माध्यम से उसके खाते से एक लाख और चार लाख रुपये की अवैध निकासी कर ली गई। पीड़ित तत्काल बैंक शाखा पहुंचा, जहां उसे पता चला कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसके मोबाइल फोन पर संदिग्ध एपीके फाइल भेजकर फोन हैक किया गया था। हैकर ने फोन का नियंत्रण अपने हाथ में लेकर बैंक एप के जरिए फर्जी लोन स्वीकृत कराया और कुल पांच लाख रुपये की ऑनलाइन धोखाधड़ी को अंजाम दे दिया। पीड़ित ने तत्काल अपने सभी बैंक खाते और डिजिटल सेवाएं ब्लॉक करवाईं और साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। कौशल गंगवार ने पुलिस को बताया कि वह एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखता है और इस बड़ी धोखाधड़ी से (शेष पृष्ठ सात पर)

विधायक अरविन्द पांडे बोले– वृद्धा को तुरंत जमीन का कब्जा दिलाया जाए

एसडीएम को ज्ञापन सौंप त्वरित करवाई की मांग

बाजपुर(उद संवाददाता)। गदरपुर विधायक अरविंद पांडे ने जमीन हड़पने के आरोपों के बीच बड़ा कदम उठाते हुए बुधवार को उपजिलाधिकारी बाजपुर को लिखित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में विधायक ने स्वयं पर लगाए जा रहे आरोपों को राजनीतिक षड्यंत्र करार देते हुए कहा कि यदि उन पर आरोप लगाने वाली ग्राम बिजपुरी निवासी परमजीत कौर को संबंधित भूमि चाहिए, तो प्रशासन तत्काल प्रभाव से उन्हें जमीन का कब्जा दिला दे। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें इस संबंध में किसी भी प्रकार की आपत्ति नहीं है। विधायक अरविंद पांडे ने ज्ञापन में उल्लेख किया कि वह भारतीय जनता पार्टी के विधायक हैं और उनके ऊपर

लगने वाला कोई भी आरोप पार्टी की छवि को क्षति पहुंचाता है। उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों से परमजीत कौर और उनका पुत्र उनके विरुद्ध जमीन हड़पने के आरोप लगाते आ रहे हैं, जबकि यह दावा तथ्यों से परे और षड्यंत्रकारियों द्वारा फैलाया गया भ्रम है। उन्होंने कहा कि पार्टी की मर्यादा और व्यक्तिगत ईमानदारी दोनों को सर्वोपरि मानते हुए उन्होंने स्वयं इस मामले में निष्पक्ष समाधान का आग्रह किया है।विधायक ने एसडीएम को संबोधित ज्ञापन में लिखा है कि प्रशासन बिना देरी किए पूरी जमीन का कब्जा परमजीत कौर को उपलब्ध कराए। उन्होंने कहा कि वह किसी भी प्रकार के विवाद या (शेष पृष्ठ 7 पर)

दुकान का ताला तोड़कर नकदी और सामान साफ

रूद्रपुर। भदईपुरा क्षेत्र में चोरों ने एक मोबाइल शॉप को निशाना बनाते हुए वहां रखे ग्राहकों के मोबाइल, एसेसरीज और इन्वर्टर की बैटरी चोरी कर ली। पीड़ित दुकानदार की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर (शेष पृष्ठ सात पर)

आवश्यकता है

रुद्रपुर स्थित एक प्रतिष्ठित इलेक्ट्रॉनिक शोरूम के लिए टैली अकाउंटेंट, कैशियर, स्टोर मैनेजर आदि पदों पर कर्मचारियों की आवश्यकता है।

-:संपर्क करें:-

8433432291

नियमों को ताक पर रख चल रहे कुमाऊं के पांचों नगर निगम

नगर निगमों की बैठकों से परहेज कर रहे हैं सभी मेयर, किसी भी नगर निगम ने नहीं बुलाई नियमानुसार बैठकें

काशीपुर। नगर निगम अधिनियम के अनुसार नगर निगमों की वास्तविक सत्ता पार्षदों में निहित है और इन पार्षद द्वारा सामूहिक रूप से नगर निगम की बैठकों के माध्यम से इन्हें चलाने का प्रावधान अधिनियम में हैं, परन्तु कुमाऊं के सभी पांचों नगर निगमों में नियमों के अनुसार वर्ष में न्यूनतम 6 तथा प्रत्येक दो माह की अवधि में नगर निगम बैठकों का आयोजन ही नहीं हो पा रहा हैं। यह सनसनीखेज खुलासा सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन (एडवोकेट) को कुमाऊं के सभी नगर निगमों द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना से हुआ। काशीपुर निवासी सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन (एडवोकेट) ने कुमाऊं के सभी नगर निगमों के लोक सूचना अधिकारियों से 01 जनवरी 2025 से सूचना उपलब्ध कराने की तिथि तक हुई नगर निगम/बोर्ड बैठकों की सूचना उनके कार्यवृत्त की प्रति सहित चाही थी। कुमाऊं के सभी नगर निगमों के लोक सूचना अधिकारियों ने अपने-अपने नगर निगम की बोर्ड बैठकों के कार्यवृत्तों की प्रतियां उपलब्ध करायी हैं। श्री नदीम को लोक सूचना अधिकारी/सहायक नगर आयुक्त, काशीपुर द्वारा पत्रांक 945 दिनांक 22-11-25 उपलब्ध करायी गयी सूचना के अनुसार 2025 में केवल दो निगम बोर्ड बैठकें दिनांक 05 फवरी 2025 तथा 03 मार्च 2025 को आयोजित की गयी है। उपलब्ध कराये गये बोर्ड बैठकों के कार्यवृत्त के अनुसार 05 फरवरी की नगर प्रमुख दीपक बाली की अध्यक्षता के आयोजित प्रथम बैठक में 40 पार्षद उपस्थित थे तथा इसमें 3 प्रस्ताव पारित किये गये थे। दूसरी बैठक 03 मार्च 2025 को नगर प्रमुख दीपक बाली की अध्यक्षता में हुई थी इसमें 39 पार्षद उपस्थित थे 24 प्रस्ताव पारित किये गये थे। नगर निगम रूद्रपुर के लोक सूचनाधिकारी/सहायक नगर आयुक्त द्वारा पत्रांक 779 दिनांक 04-12- 2025 से उपलब्ध करायी सूचना के अनुसार बोर्ड की 03 बैठकें हो चुकी हैं लेकिन दो बैठकों दिनांक 07-02-2025 तथा 18-02-2025 के कार्यवृत्त की ही फोटो प्रति उपलब्ध करायी है। मेयर विकास शर्मा की अध्यक्षता में दिनांक 07-02-2025 की बैठक में मेयर, पदेन सदस्य के रूप में विधायक रूद्रपुर शिव अरोरा तथा विधायक किच्छा तिलक राज बेहड़ तथा 40 पार्षद उपस्थित थे इसमें केवल 1 प्रस्ताव पारित किया गया। 18 फरवरी 2025 की बैठक में मेयर तथा दोनों विधायक तथा 39 पार्षद उपस्थित थे जिसमें एक विशेष प्रस्ताव पारित किया गया। नगर निगम हल्द्वानी काठगोदाम के लोक सूचना अधिकारी ने पत्रांक 1909 दि. 17-12-2025 से सूचना उपलब्ध करायी है। इसमें 26-03-2025 को महापौर गजराम बिष्ट की अध्यक्षता में एक बैठक के कार्यवृत्त की प्रति उपलब्ध करायी है। इसमें 56 पार्षद उपस्थित थे तथा 11 विशेष प्रस्ताव पारित किये गये थे। नगर निगम (शेष पृष्ठ सात पर)

दर्जा मंत्री ने रैन बसेरों का किया औचक निरीक्षण

रुद्रपुर । हाड़ कपा देने वाली शीत लहर और घने कोहरे के बीच शासन-प्रशासन की मुस्तैदी परखने के लिए उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष (दर्जा मंत्री) विनय रूहेला गुरुवार रात सड़कों पर उतरे। महापौर विकास शर्मा के साथ उन्होंने नगर निगम द्वारा संचालित रैन

बसेरों का गहन निरीक्षण किया। व्यवस्थाओं की सघन जांच के बाद दर्जा मंत्री ने न केवल संतोष व्यक्त किया, बल्कि महापौर द्वारा किए जा रहे जनसेवा के कार्यों की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए उनकी पीठ भी थपथपाई।निरीक्षण के दौरान दर्जा मंत्री विनय रूहेला ने रैन बसेरे में ठहरे हुए लोगों के (शेष पृष्ठ सात पर)

जन-जन के द्वार पहुँचकर समस्याओं का समाधान कर रही सरकार

पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सुशासन का मॉडल बना जन-संवाद कार्यक्रम, हजारों लोगों को मिल रहा लाभ

देहरादून (उद संवाददाता)। उत्तराखंड में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा संचालित 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' कार्यक्रम सुशासन और पारदर्शिता की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रहा है। शासन की योजनाओं को सीधे जनता की चौखट तक पहुँचाने और उनकी समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए शुरू किया गया यह अभियान प्रदेश में जवाबदेही का एक प्रभावी मॉडल बनकर उभरा है। 15 जनवरी 2026 तक की दैनिक प्रगति रिपोर्ट सरकार की इस सक्रियता और जनता के बीच बढ़ते विश्वास की पुष्टि करती है। प्रदेश के विभिन्न जनपदों में अब तक आयोजित शिविरों की संख्या और उनमें उमड़ने वाली भीड़ इस अभियान की सफलता की गवाही दे रही है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पिछले दिवस तक प्रदेशभर में 328 शिविरों का आयोजन किया जा चुका था, जिसमें आज 19 नए शिविरों की बढ़ोतरी के साथ कुल शिविरों की संख्या 347 पहुँच गई है। इन शिविरों के प्रति नागरिकों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। पिछले दिवस तक जहाँ 2,54,137 नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी, वहीं आज 23,517 नए लोगों की सहभागिता के साथ कुल प्रतिभागियों का आंकड़ा 2,77,654 हो गया है। जनसमस्याओं के निस्तारण के मोर्चे पर भी सरकार की कार्यप्रणाली बेहद असरदार रही है। अभियान के दौरान अब तक कुल 22,293 शिकायतें दर्ज की गई हैं, जिनमें आज प्राप्त हुई 1,479 नई शिकायतें भी शामिल हैं। शिकायतों के निस्तारण की गति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 18,168 शिकायतों का समाधान पहले ही किया जा चुका था और आज 807 अतिरिक्त शिकायतों को हल कर कुल निस्तारित शिकायतों की संख्या 18,973 तक पहुँचा दी गई है। यह त्वरित कार्रवाई सरकारी तंत्र की संवेदनशीलता को दर्शाती है। विभिन्न विभागों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं और प्रमाण पत्रों के वितरण में भी तेजी आई है। अब तक कुल 38,255 नागरिकों को सीधे तौर पर सरकारी लाभ और प्रमाण पत्र वितरित किए जा चुके हैं, जिसमें आज के 1,502 नए मामले भी जुड़े हैं। इसके अलावा सामाजिक सुरक्षा और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाने के मामले में भी सरकार ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। कुल 1,51,565 नागरिकों को राज्य की विभिन्न योजनाओं से जोड़ा जा चुका है। आज ही 13,554 नए लाभार्थियों को इन योजनाओं के दायरे में लाया गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि उनकी सरकार का लक्ष्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक शासन की सेवाओं को पहुँचाना है। उन्होंने इस कार्यक्रम को जनता और सरकार के बीच विश्वास का सेतु बताते हुए कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान करना ही शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री के विजन के अनुरूप प्रदेश में विकसित हो रही यह नई कार्यसंस्कृति, जिसमें जनसंवाद और परिणाम आधारित शासन को महत्व दिया गया है, पूरे प्रदेश में सुशासन की नई मिसाल पेश कर रही है।

राजेश शुक्ला ने जरूरतमंदों को वितरित किये कम्बल

किच्छा। उत्तराखंड की पुष्कर सिंह धामी सरकार प्रदेश को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के संकल्प के साथ निरंतर जनहित के कार्य कर रही है। माताओं-बहनों के सम्मान, सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के साथ-साथ युवाओं के उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। सरकार का स्पष्ट उद्देश्य है कि आम नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए विभिन्न विभागों के चक्कर न लगाने पड़ें, बल्कि सरकार स्वयं जनता के द्वार तक पहुंचे उक्त वक्तव्य पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने ग्राम महाराजपुर में नारायणपुर किसान सेवा सरकारी समिति के अध्यक्ष नरेंद्र ठुकराल की ओर से आयोजित कंबल वितरण समारोह को संबोधित करते हुए कहा। उन्होंने कहा कि इसी सोच के तहत पूरे प्रदेश में 'जन-जन की सरकार, जन- जन के द्वार' कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है, जिसके माध्यम से शासन-प्रशासन सीधे जनता से संवाद कर उनकी समस्याओं का त्वरित एवं पारदर्शी एमपीसमाधान सुनिश्चित कर रहा है। राजेश शुक्ला ने कहा कि राज्य सरकार गरीब, किसान, श्रमिक, महिला, युवा और वंचित वर्ग के उत्थान के लिए लगातार जनकल्याणकारी योजनाएं चला रही है। सरकार की मंशा है कि समाज का अंतिम व्यक्ति भी विकास की मुख्यधारा से जुड़े और उसे योजनाओं का पूरा लाभ मिले। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सामाजिक कार्यक्रम समाज में आपसी सहयोग, सेवा और संवेदना की भावना को मजबूत करते हैं।कार्यक्रम के दौरान पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने कंबल वितरण कर जरूरतमंद लोगों को राहत प्रदान की और नरेंद्र ठुकराल के इस प्रयास की सराहना की। उन्होंने आयोजकों को समाजसेवा के लिए आगे आने पर बधाई दी।इससे पूर्व ग्राम महाराजपुर पहुंचने पर ग्राम प्रधान नेहा पुजारा एवं क्षेत्र पंचायत सदस्य रीता ठुकराल ने पूर्व विधायक राजेश शुक्ला का पुष्प गुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। कार्यक्रम में मुलखराज ठुकराल, अविनाश ठुकराल, राजेश चराया, सतीश ठुकराल, शुभम पुजारा, देवेंद्र कुमार, शिव ठुकराल, परविंदर सिंह, विक्की कालरा, धर्मपाल कालरा, जुगल चराया, राजू खुराना, राज गगनेजा, मंजू जोशी, अशोक ठुकराल, संजय मंडल, बसंत मिर्धा, कमल बैरागी समेत बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, समिति के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं क्षेत्रवासी रहे।

सिद्धेश्वर श्री बाला जी मंदिर से कल निकलेगी भव्य शोभा यात्रा

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। आदर्श कालोनी स्थित सिद्धेश्वर श्री बाला जी मंदिर धाम का 26 वां वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत कल 17 जनवरी दिन शनिवार को अपरान्ह 12 बजे से धाम से विशाल भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया जायेगा। यह जानकारी देते हुए मंदिर के महंत रमेश वशिष्ठ ने बताया कि श्री सिद्धेश्वर बाला जी मंदिर धाम का 26 वां वार्षिकोत्सव हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भक्तों द्वारा भक्तिभाव व हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वार्षिकोत्सव का शुभारम्भ 12 जनवरी को कलश यात्रा के साथ किया गया। इसके पश्चात धाम में 12 जनवरी से 16 जनवरी तक प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से 6 बजे तक ब्रजराज आचार्य अभिषेक वशिष्ठ द्वारा श्री हनुमंत कथा की गई एवं भण्डारा का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि कल 17 जनवरी को अपरान्ह 12 बजे से मंदिर से भव्य शोभा यात्रा निकाली जायेगी। जो मंदिर से प्रारम्भ होकर नगर के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरते हुए वापस मंदिर में सम्पन्न होगी। महंत रमेश वशिष्ठ ने बताया कि 18 जनवरी को मंदिर में सायं 6 बजे से विशाल भण्डारा वितरित किया जायेगा। जिसके पश्चात रात्रि 9 बजे से भव्य श्री बाला जी दरबार सजाया जायेगा। जिसमें मुम्बई की अंजली सागर, दिल्ली के रितिक गुप्ता, पंजाब के मन्नी सिंह और श्री बांके बिहारी मंदिर के मुख्य सेवाधिकारी श्री अनन्त गोस्वामी महाराज द्वारा श्री बाला जी महाराज के भजन गाकर उनकी महिमा का गुणगान किया जायेगा। महंत रमेश वशिष्ठ व ब्रजराज आचार्य अभिषेक वशिष्ठ ने सभी बाला जी भक्तों व आम जनता से आयोजित उपरोक्त सभी कार्यक्रमों में सपरिवार शामिल होकर धर्म लाभ प्राप्त करने का आग्रह किया है।

50 लीटर कच्ची शराब सहित तस्कर गिफ्तार

गदरपुर (उद संवाददाता)। अवैध शराब के कारोबार के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान में गदरपुर पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने मुखबिर की सटीक सूचना पर कार्रवाई करते हुए 50 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ एक आरोपी को दबोचा है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ऊधम सिंह नगर के निर्देश पर जिले भर में नशे के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जा रही है। कोतवाली प्रभारी संजय पाठक के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम गुरुवार को क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान टीम को सूचना मिली कि एक व्यक्ति भारी मात्रा में कच्ची शराब लेकर कनकटा की ओर जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने कनकटा चौराहे से करीब 200 मीटर आगे मुख्य सड़क पर घेराबंदी की और संदिग्ध को रोक लिया। तलाशी लेने पर आरोपी के पास मौजूद एक सफेद प्लास्टिक के कट्टे के भीतर टायर की ट्यूब बरामद हुई, जिसमें 50 लीटर अवैध कच्ची शराब (खाम) भरी गई थी। पुलिस ने तत्काल शराब को कब्जे में लेकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान किशन सिंह पुत्र खजान सिंह, निवासी सरोवर नगर, थाना गदरपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक विजय कुमार, कांस्टेबल विजेंद्र नेगी और वीरेंद्र सिंह मेहता शामिल रहे। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में अवैध शराब के निर्माण और परिवहन को रोकने के लिए यह अभियान आगे भी सख्ती से जारी रहेगा।

डंपर की लापरवाही से टूटा नाला, वार्डवासियों में भारी रोष

गदरपुर।वार्ड नंबर 11 में एक बार फिर भारी वाहन की लापरवाही के कारण स्थानीय लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। लगभग एक सप्ताह पूर्व वार्ड से गुजर रहे डंपर संख्या यूके 18 सीए 7548 ने नाले के ऊपर रखे सीमेंट के सिल्पों को तोड़ दिया, जिससे पूरे क्षेत्र में आवाजाही बाधित हो गई है। खुले नाले के कारण स्थानीय नागरिकों, विशेषकर बच्चों और बुजुर्गों के लिए खतरा पैदा हो गया है। स्थानीय निवासी इस बात को लेकर भी डरे हुए हैं क्योंकि पूर्व में इसी नाले में डूबने से एक बच्चे की मृत्यु जैसी हृदयविदारक घटना हो चुकी है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि रात्रि लगभग एक बजे डंपर चालक ने बेहद असावधानी से वाहन चलाया, जिससे यह क्षति हुई। घटना के तत्काल बाद डंपर चालक और स्वामी ने वार्डवासियों को आश्वासन दिया था कि वे जल्द ही सिल्पों की मरम्मत करा देंगे, लेकिन काफी समय बीतने के बाद भी इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया गया। आरोप है कि अब डंपर स्वामी द्वारा मामले में टालमटोल का रवैया अपनाया जा रहा है, जिससे लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। समस्या का समाधान न होने पर नाराज वार्डवासियों ने स्थानीय सभासद के नेतृत्व में नगर पालिका कार्यालय पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में डंपर स्वामी के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई करने और नाले पर तुरंत नए सिल्प लगवाने की मांग की गई है। नागरिकों ने नगर पालिका प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं कि रिहायशी इलाकों में भारी वाहनों की बेरोकटोक आवाजाही पर नियंत्रण क्यों नहीं लगाया जा रहा है। इस मौके पर जाफर अली, जमील अहमद, मकसद, दिलबरी बेगम, कमल अख्तर, फारुक अली, नसीम और माही सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे। मामले में अधिशासी अधिकारी कैलाश सिंह पटवाल ने कहा कि मामला अभी संज्ञान में आया है। वार्डवासियों द्वारा दी गई शिकायत के आधार पर डंपर स्वामी के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

'जय श्री राम' 'जय श्री बालाजी' 'जय श्री राम'

श्री बालाजी दरबार

स्थान:- श्री बालाजी मंदिर, दिनेशपुर

दिनांक: 17 जनवरी 2026 दिन: शनिवार,रात्रि: 9:00 बजे से

निवेदक:-गौरव अग्रवाल पुत्र स्व०श्री राजेन्द्र अग्रवाल, महंत श्री बालाजी मंडल रजि०, दिनेशपुर एवं उत्तरांचल दर्पण परिवार

सूचना नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम बबीता कोचर से बदलकर बबीता नारंग कर लिया है, अत: भविष्य में मुझे बबीता नारंग पुत्री श्री कश्मीर लाल नारंग के नाम से जाना व पहचाना जाए।

वर्तमान पता-आर-3/6,आर्य समाज रोड, भगत सिंह चौक,रूद्रपुर, जिला- ऊधम सिंह नगर(उत्तराखण्ड)- 263153

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी सम्पत्ति एक मकान जिसका खसरा नं0-491/1 मिन रकबा 39.033 वर्ग मीटर वाक्या ग्राम रूद्रपुर, तहसील-रूद्रपुर, जिला-ऊधम सिंह नगर में स्थित है, शपथी के.आई.एफ.एस. हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड रूद्रपुर, ऊधम सिंह नगर से ऋण प्राप्त करना चाहती है, शपथी के पास जो कि सब रजिस्ट्रार कार्यालय किच्छा का बैनामा क्रमांक 425 दिनांक 18.01.2011 जो सीमा सिंह पत्नी सूर्यभान ने मुझ विमला देवी के पक्ष में किया था तथा बैनामा क्रमांक 1819 दिनांक-26.04.2006 जो गुरिंदर पाल सिंह पुत्र गुरबक्स सिंह ने सीमा सिंह पत्नी सूर्यभान के पक्ष में किया था ये दोनों मूल बैनामे उपलब्ध है जबकि सम्बन्धित एक मूल बैनामा क्रमांक 2286 दिनांक 23.12.2002 जो अशोक कुमार पुत्र श्री मुन्शी राम ने गुरिंदर पाल सिंह पुत्र श्री गुरबक्स सिंह के पक्ष में किया था मुझे प्राप्त था वह वास्तव में खो गया है जिसका प्रयोग किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवैध होगा, यदि किसी बैंक / संस्था आदि को आपत्ति हो या उक्त बैनामा किसी को मिले तो वह 7 दिन के अन्दर शाखा प्रबंधक के.आई.एफ.एस. हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड रूद्रपुर, ऊधम सिंह नगर मो0नं0-9568477771 को सूचित करें या महीपाल सिंह एडवोकेट छाबड़ा कॉम्पलेक्स, डी1डी2 रुद्रपुर, ऊधम सिंह नगर, मो0 नं0 - 9639835229 पर सम्पर्क करें

-विमला देवी पत्नी श्री दिनेश गिरी

निवासी शांति कॉलोनी रुद्रपुर तहसील रुद्रपुर जिला उधम सिंह नगर

खनन माफियाओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

गदरपुर में टीम को देख सड़क पर सामग्री छोड़ भागे तस्कर

गदरपुर। उत्तराखंड सरकार द्वारा अवैध खनन पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए अधिकृत 'कैलाश माइनिंग संस्था' की टीम ने गुरुवार को क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की। टीम की अचानक हुई

सक्रियता से खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया और वे पकड़े जाने के डर से अपने वाहनों में लदी अवैध सामग्री को बीच सड़क पर ही खाली कर मौके से फरार हो गए।जानकारी के अनुसार, गदरपुर के श्याम नगर रोड क्षेत्र में लंबे समय से अवैध खनन की शिकायतें प्रशासन को मिल रही थीं। इन शिकायतों का संज्ञान लेते हुए कैलाश माइनिंग संस्था के कर्मचारियों ने इस मार्ग पर आकस्मिक निरीक्षण और चेकिंग अभियान चलाया। जैसे ही टीम मौके पर पहुँची, अवैध खनन सामग्री ढो रहे वाहनों के चालकों में खलबली मच गई। खुद को घिरता देख तस्करों ने आनन-फानन में वाहनों में भरा रेता-बजरी बीच सड़क पर ही पलट दिया और खाली वाहनों को लेकर तेज रफ्तार से भाग निकले।सड़क किनारे बिखरी पड़ी खनन सामग्री इस क्षेत्र में चल रहे अवैध धंधे की गवाही दे रही थी। संस्था के कर्मचारियों ने मौके की स्थिति का जायजा लेते हुए साक्ष्य जुटाए और संबंधित विभागों को इस घटना की विस्तृत रिपोर्ट भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।स्थानीय निवासियों ने इस कार्रवाई का स्वागत करते हुए कहा कि अवैध खनन के कारण न केवल राजस्व की हानि हो रही है, बल्कि भारी वाहनों के आवागमन से ग्रामीण सड़कें भी जर्जर हो रही हैं। कैलाश माइनिंग संस्था की इस कार्रवाई ने स्पष्ट संदेश दिया है कि अवैध खनन में लिप्त तत्वों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। प्रशासन की इस सख्ती से क्षेत्र के अन्य अवैध खनन केंद्रों पर भी सन्नाटा पसरा रहा।

मृतक किसान सुखवंत सिंह के परिवार पर है कोई दबाव: संतोख सिंह

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। काशीपुर के किसान सुखवंत सिंह द्वारा खुद को गोली मारकर की गई आत्महत्या के बाद सें आज तक परिवार पर कोई बाहरी दबाव बना हुआ है जिस कारण परिवार के सदस्य बार बार अपना बयान बदलने को मजबूर हो रहे है। मीडिया से बातचीत करते भारतीय सिख संगत संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि मृतक सुखवंत सिंह का सस्ंकार निर्धारित समय से पूर्व ही परिजनों

की सहमति बताकर करवा दिया गया। इसके बाद परिजनों द्वारा कई बाद मीडिया से बातचीत के दौरान जो बातें कही गई। बाद में परिजनों द्वारा उसका खंडन कर दिया गया। उन्होंने कहा कि आखिर ऐसी कौन सी वजह है कि परिवार के लोग डरे सहमे से हैं। वह कोई भी बात खुलकर कहने से बच रहे हैं। उन्होंने कहा मामले के आरोपी एसआई कुंदन सिंह रौतेला पूर्व में भी अनेक विवादों में घिरे हुए हैं। आज तक कोई जांच नहीं कराई गई। उन्होंने कहा कि सरकार निष्पक्ष जांच करे सिख समाज इसमें पूरा सहयोग करेगा। इस दौरान भारतीय सिख संगत के जिलाध्यक्ष संतोख सिंह,यूपी प्रदेश उपाध्यक्ष अमन लोक सिंह आदि समेत अन्य लोग मौजूद थे।

हरिधाम में शेखर जुयाल के भजनों पर झूमे श्रद्धालु

रूद्रपुर(उद संवाददाता) । श्री हरिधाम मंदिर श्री मेहंदीपुर बालाजी महाराज का 15वां भव्य वार्षिकोत्सव महंत मनीष सलूजा के सानिध्य में

हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। तीन दिवसीय आयोजन के दूसरे दिन बुधवार को सुबह से ही मंदिर परिसर में विभिन्न अनुष्ठानों की धूम रही। सुबह आठ बजे श्री अखंड रामचरित मानस पाठ पारायण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ,जिसके बाद 9बजे चालीसा पारायण यज्ञ और 10 बजे भगवान भोले नाथ का विधि-विधान से रुद्राभिषेक किया गया। रात्रि में आयोजित श्री बालाजी महाराज के विशाल दरबार में भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। सुप्रसिद्ध भजन गायक शेखर जयसवाल ने भजनों से पांडाल में मौजूद श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। जब उन्होंने 'मेरा भोला माने ना' जैसे शिव भजनों की प्रस्तुति दी, तो भक्त खुद को नाचने से नहीं रोक पाए। इस दौरान गायक के साथ फोटो और सेल्फी लेने के लिए युवाओं में खासा उत्साह नजर आया। इस धार्मिक अनुष्ठान को सफल बनाने में मंदिर अध्यक्ष ओमप्रकाश सलूजा, विजय काक्के, दीपक कटारिया, विजय कक्कड़, अमित शर्मा, किशन मिगलानी, शिवम चावला, सौरभ गाबा, विवेक शर्मा, राज कुमार जाँगड़ा, रवि कक्कड़, मनोज चावला, विभोर गाबा, अजय कुमार, साहिल आनंद, अन्नू छाबड़ा, राजेश भट्ट, मनीष श्रीवास्तव, अमित रहेजा, रिंकु लम्भा, अनिल भोला आनंद और राज कुमार भुड्डी सहित तमाम सेवादार जुटे हुए हैं।

जीवन जीना भी है एक कला : हरि चैतन्यपुरी

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। श्री हरि कृपा पीठाधीश्वर व संत स्वामी श्री हरि चैतन्य पुरी जी महाराज ने यहां पीलीकोठी में उपस्थित विशाल भक्त समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि ईश्वर की कृपा या हमारे किन्हीं सत्कर्मों के परिणाम स्वरूप हमें मानव का शरीर मिला है। इसे पाकर हम सच्चे अर्थों में मानव, एक सच्चा इंसान बनकर दिखायें। इसी में हमारे जीवन की सार्थकता है। जीवन में गलती होना स्वाभाविक है लेकिन इंसान वो है जो गलती में सुधार लाये व गलती को दोबारा दोहराए नहीं। उन्होंने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का जीवन व आचरण मानव मात्र के लिए अनुकरणीय है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम मात्र हिंदुओं के ही नहीं, मात्र भारतवर्ष के ही नहीं, संपूर्ण ब्रह्मांड के नायक हैं। जन जन के लिए उनका जीवन चरित्र अनुकरणीय एवं अनुसरणीय है।

माता-पिता की आज्ञा पालन, भाई भाई का प्यार, गुरु की सेवा, आज्ञा पालन व अनुसरण, समाज के पिछड़े व उपेक्षित वर्ग को गले से लगाना, मित्रता निभाना, धर्म की स्थापना के लिए अपना सर्वस्व अर्पण कर देना, अधर्म के विनाश के लिए सदैव तत्पर रहना, अधिकार की लड़ाई नहीं बल्कि कर्तव्य पालन के लिए तत्परता का संदेश। भगवान श्री राम के दिव्य प्रेरणा संदेश, उपदेश जिन्हें जीवन में अपनाकर व्यक्ति सच्चे अर्थों में एक इंसान बन सकता है। अपने धारा प्रवाह प्रवचनों से उन्होंने सभी भक्तों को मंत्र मुग्ध व भाव विभोर कर दिया। सारा वातावरण श्री गुरु महाराज, कामां के कन्हैया, लाठी वाले भैय्या व जय जय श्री रघुनाथ हरि की जय जयकार से गूँज उठा। गुरुवार को आदर्श नगर व पीलीकोठी में सामूहिक सुन्दर काण्ड पाठ का आयोजन हुआ। भण्डारे में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आज श्री महाराज जी ने प्रेमपुर लोसज्ञानी में निर्माणाधीन श्री चौतन्य धाम में पहुंचकर निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

विधायक शिव अरोड़ा को भेजा मानहानि का नोटिस

रुद्रपुर। किच्छा रोड स्थित एक भूखंड पर हुए विवाद के मामले में केपी गंगवार ने विधायक शिव अरोड़ा को मानहानि का लीगल नोटिस भेजकर लिखित में माफी मांगने की मांग की है। नोटिस में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि यदि विधायक ने सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगी, तो उनके विरुद्ध मानहानि का दूसरा मुकदमा भी दर्ज कराया जाएगा। गौरतलब है कि न्यायालय की अवमानना का एक मामला पहले ही विधायक और अन्य के खिलाफ दर्ज है। भेजे गए लीगल नोटिस में उल्लेख किया गया है कि बीते 21 दिसंबर 2025 को विधायक शिव अरोड़ा ने सैकड़ों समर्थकों के साथ केपी गंगवार के भूखंड और चंद्र देव मंदिर के नीचे बने कमरे पर जबरन कब्जा करने का प्रयास किया था। आरोप है कि इस दौरान भाईचारा एकता मंच की सचिव काजल गंगवार और मंदिर के पुजारी के साथ मारपीट की गई। नोटिस में कहा गया है कि घटना के दौरान विधायक ने केपी गंगवार के विरुद्ध सार्वजनिक मंच से अपमानजनक और अनर्गल शब्दों का इस्तेमाल किया, जो विभिन्न समाचार पत्रों में प्रमुखता से प्रकाशित हुए। इस कृत्य से न केवल न्यायालय के आदेशों की अवहेलना हुई, बल्कि केपी गंगवार की सामाजिक छवि को भी गंभीर नुकसान पहुँचा है।

सेवा और सत्संग के साथ मनाया गया मकर संक्रांति पर्व

जरूरतमंदों को बांटे गर्म वस्त्र, महात्माओं ने सेवा को बताया ईश्वर की सच्ची आराधना

सितारगंज (उद संवाददाता)। श्री सतपाल महाराज की प्रेरणा से श्री श्रीयांश महाराज के जन्मोत्सव और मकर संक्रांति के पावन अवसर पर मानवधर्म मंदिर में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भक्ति और सेवा से सराबोर इस आयोजन में जहाँ सत्संग के माध्यम से अध्यात्म की धारा बही, वहीं सामाजिक सरोकारों का निर्वहन करते हुए जरूरतमंदों की मदद भी की गई। कार्यक्रम के दौरान रस्तोगी परिवार की ओर से कड़ाके की ठंड को देखते हुए असहाय और जरूरतमंद लोगों को गर्म वस्त्रों का वितरण किया गया। आयोजक रुक्मणी रस्तोगी ने बताया कि उनका परिवार प्रतिवर्ष मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में वस्त्र दान, सत्संग और भंडारे का आयोजन करता रहा है। उन्होंने कहा

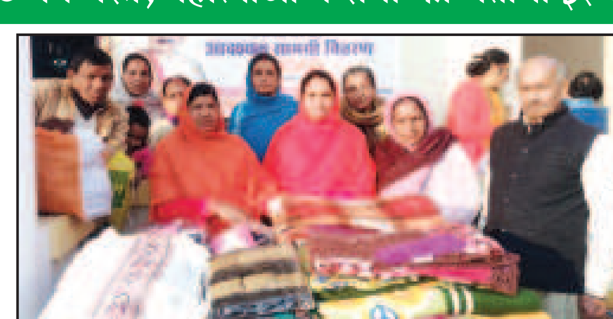

कि समाज के कमजोर वर्गों की सेवा करना ही मानव धर्म का मुख्य उद्देश्य है। सत्संग सत्र में महात्मा देवहूति बाई ने अपने प्रवचनों में सेवा, करुणा और प्रेम को मानव धर्म का आधार बताया। उन्होंने कहा कि दूसरों के दुख को समझना ही सच्ची भक्ति है और अभावग्रस्त व्यक्ति की सहायता करना ईश्वर की आराधना के समान है। वहीं, महात्मा भद्रा बाई ने पर्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मकर संक्रांति जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का संदेश लेकर आती है। उन्होंने सेवा और सत्संग को जीवन कल्याण का मार्ग बताया और कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में आपसी भाईचारा और सद्भावना को मजबूती मिलती है। सत्संग के समापन पर आयोजित विशाल भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिंदल, ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नेत्रपाल मौर्य, भाजपा ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष रवि रस्तोगी, चेयरमैन सुखदेव सिंह, ब्लॉक प्रमुख उपकार सिंह बल, ओमप्रकाश रस्तोगी, दिगम्बर सती, विष्णु जिंदल, राहुल रस्तोगी, प्रिंस रस्तोगी, राधेश्याम रस्तोगी, विमला रस्तोगी, मधुर अग्रवाल, रमेश गुप्ता, रज्जो जिंदल, राजेश जयसवाल, राधेश्याम गोयल सहित तारा, अंशु, मनीषा और बड़ी संख्या में भक्तगण मौजूद रहे।

पंतनगर विवि में वाद-विवाद प्रतियोगिता 'उद्भव' का आयोजन

42 विश्वविद्यालयों के युवाओं ने डिजिटल अर्थव्यवस्था की सार्थकता पर की वैचारिक चर्चा

पंतनगर (उद संवाददाता)। गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में युवाख्र2026 कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय अंतर-विश्वविद्यालय वादख्रविवाद प्रतियोगिता 'उद्भव' का शानदार आयोजन किया गया। वर्ष 2007 से लगातार आयोजित हो रही इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का यह 19वां संस्करण था, जिसमें देश के 42 नामचीन विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने अपनी बौद्धिक क्षमता का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में दिल्ली विश्वविद्यालय, आईसीएआर-आईएआरआई नई दिल्ली, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय और बनस्थली विद्यापीठ जैसे संस्थानों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।इस वर्ष प्रतियोगिता का विषय 'डिजिटल अर्थ व्यवस्था भारतीय युवाओं की वास्तविक आवश्यकताओं की पूर्ति करने में पूर्णत: सक्षम है' रखा गया था। हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में आयोजित इस वाद-विवाद के दौरान प्रतिभागियों ने विषय के पक्ष और विपक्ष में बेहद तार्किक और तथ्यपरक विचार साझा किए। दिनभर चले सत्रों में युवाओं ने डिजिटल प्रगति, सरकारी योजनाओं की पहुँच, साइबर सुरक्षा की चुनौतियों और डिजिटल विभाजन के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य जैसे गंभीर पहलुओं पर अपना दृष्टिकोण रखा।कार्यक्रम में राजेंद्र चड्ढा, सरदार गजेंद्र सिंह, डॉ. हरमेश चौहान और जगदीश कुमार बतौर अतिथि मौजूद रहे। प्रतियोगिता के निर्णायकों की भूमिका अंग्रेजी वर्ग में बोहितेश मिश्रा व निखिलेश शांडिल्य और हिंदी वर्ग में विशंभर नाथ तिवारी व विवेक विसेन ने निभाई। वक्ताओं ने प्रतिभागियों की बौद्धिक परिपक्वता की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे मंच युवाओं के चिंतन और विवेक को सही दिशा देने का काम करते हैं।विश्वविद्यालय के डॉ. एस. के. कश्यप ने अपने संबोधन में कहा कि 'उद्भव' केवल एक प्रतियोगिता मात्र नहीं है, बल्कि यह युवाओं के उत्तरदायित्व और वैचारिक विमर्श का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि आज के युवा केवल सवालों के जवाब ही नहीं दे रहे, बल्कि राष्ट्र के भविष्य को लेकर गंभीर प्रश्न भी उठा रहे हैं। पूरा कार्यक्रम संवाद और मर्यादित बौद्धिक चर्चा का केंद्र बना रहा, जिससे विश्वविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण में नई ऊर्जा का संचार हुआ।

क्या अंग्रेजी दवाईयां आपका रोग ठीक करने में नाकाम हैं तो मिलें-
विजय आयुर्वेद क्लीनिक
पंचकर्म सेन्टर
निम्न रोगों के इलाज में 16 वर्षो का अनुभव:-
पार्किंसन्स, अल्जाइमर, मानसिक विकार, निःसन्तान स्त्री-पुरुष की सभी चिकित्सायें, ट्यूब ब्लॉक, सिस्ट, कीटाणु की कमी आदि। डिस्क प्रोलेप्स सर्वाइकल, गठिया, घुटने का दर्द, किडनी रोग (डायलिसिस से पहले) लीवर सिरोसिस, हैपेटाइटिस B&C, Fatty Liver प्रोस्टेट रोग
असाध्य एवं लाइलाज रोगियों की चिकित्सा शुद्ध आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा की जाती है।
DR. VIJAY PRAKASH MISHRA
M.D. (Ayurveda)
Mob.: 9410897970
DR. ASHWINI MISHRA
M.D. (Ayurveda)
स्त्री एवं त्वचा रोग
मिलने का समय : प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक (शुक्रवार अवकाश)
होटल राजश्री के सामने, गली नं0 2, डॉक्टर्स कालोनी
डी 1 डी 2 सिविल लाईन, रुद्रपुर (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

विधायक पर जमीन हड़पने के आरोप से हड़कंप

विधायक के खिलाफ तहसील में धारने पर बैठे महिला और उसका पुत्र

बाजपुर। गदरपुर विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद पांडे पर कृषि भूमि हड़पने के गंभीर आरोप लगने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। मामला उधम सिंह नगर जनपद के कैलाखेड़ा क्षेत्र का है, जहां ग्राम बिजपुरी निवासी 65 वर्षीय परमजीत कौर और उनके पुत्र अवतार सिंह ने विधायक अरविंद पांडे और उनके भाई अमर पांडे पर गंभीर धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। गुरुवार को भीषण ठंड के बीच परमजीत कौर और उनका बेटा अवतार सिंह एसडीएम कार्यालय के बाहर अलाव जलाकर धरने पर बैठ गए। महिला का आरोप है कि वर्ष 2019 में विधायक के भाई अमर पांडे ने उनकी करीब एक हेक्टेयर कृषि भूमि को 30 साल की लीज के नाम पर धोखे में अपने नाम दर्ज करवा लिया।परमजीत कौर के अनुसार शुरुआत में केवल एक एकड़ जमीन की लीज का प्रस्ताव रखा गया था, लेकिन कागजी कार्रवाई के दौरान उन्हें गुमराह कर पूरी जमीन अपने नाम करा ली गई। पीड़िता का कहना है कि वर्षों से शिकायत करने के बावजूद राजनीतिक दबाव के चलते उनकी बात नहीं सुनी गई। पीड़ित परिवार ने बुधवार रात सोशल मीडिया पर एक भावुक वीडियो जारी किया, जिसमें दोनों ने न्याय न मिलने पर विधायक आवास के सामने सामूहिक आत्मदाह की चेतावनी दी। गुरुवार सुबह वीडियो वायरल होते ही प्रशासन में हड़कंप मच गया। वीडियो में दोनों ने आरोप लगाया कि वह पिछले छह वर्षों से न्याय के लिए भटक रहे हैं, लेकिन कहीं कोई सुनवाई नहीं हुई। उन्होंने किसान संगठनों, स्थानीय नेताओं और जनप्रतिनिधियों से मदद की गुहार लगाई, पर कोई सहयोग नहीं मिला। मजबूर होकर उन्हें एसडीएम ऑफिस के बाहर धरना देना पड़ा। धरने की सूचना मिलते ही प्रशासन सक्रिय हुआ और मामले की जांच के लिए संयुक्त टीम का गठन कर दिया गया। देर शाम अधिकारियों ने पीड़ित परिवार को निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया, जिसके बाद परिवार ने अपना धरना समाप्त कर दिया।

सीबीआई जांच की मांग के साथ विधायक का पलटवार

गदरपुर। जमीन हड़पने के गंभीर आरोपों के बीच विधायक अरविंद पांडे सामने आए और प्रेसवार्ता कर स्वयं पर लगे आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया। गुरुवार को चीनी मिल गेस्ट हाउस में हुई प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि राजनीतिक साजिशन उनके खिलाफ माहौल बनाया जा रहा है। विधायक अरविंद पांडे ने कहा "मेरी सीबीआई जांच कराई जाए। यदि में या मेरा परिवार दोषी पाए जाएं, तो मुझे जो भी सजा मिलेगी, मैं स्वीकार करने को तैयार हूं।" उन्होंने दावा किया कि उनके खिलाफ लगाए जा रहे सभी आरोप केवल राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित हैं। उन्होंने कहा कि वह स्वयं किसी भी स्तर की जांच का स्वागत करते हैं ताकि सत्य सामने आ सके। विधायक ने पीड़ित महिला के बारे में कहा कि 65 वर्षीय परमजीत कौर को वह मां के समान मानते हैं और उनके संस्कार किसी के साथ धोखा या अन्याय करने की अनुमति नहीं देते।उन्होंने सरकार और प्रशासन से भी मांग की कि यदि उन्होंने किसी व्यक्ति का हक छीना है या किसी को प्रताड़ित किया है, तो इसकी निष्पक्ष जांच कराई जाए। विधायक के इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में नई चर्चा छिड़ गई है कि क्या मामला आगे सीबीआई जांच तक पहुंचेगा या प्रशासनिक स्तर पर ही सुलझाया जाएगा। फिलहाल मामले ने जनपद में गहमा-गहमी बढ़ा दी है।

बेहड़ के समर्थकों को 'चंगू-मंगू' कहने पर भड़के कांग्रेसी नेता

रुद्रपुर। मेयर विकास शर्मा द्वारा किच्छा विधायक तिलकराज बेहड़ के समर्थकों को 'चंगू-मंगू' कहने पर कांग्रेस नेता व पूर्व पार्षद मोहन खेड़ा भड़क उठे। काशीपुर बाईपास स्थित सिटी क्लब में प्रेसवार्ता कर उन्होंने मेयर पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि मेयर को अपनी भाषा और आचरण में संयम रखना चाहिए। खेड़ा ने कहा कि सत्ता में होने का फायदा उठाकर दोनों हाथों से लूट की जा रही है। उन्होंने कहा कि हमारे बुजुर्ग शेरों से मुकाबला करने वाले रहे हैं, गीदड़ों से क्या बात करें। खेड़ा ने कहा कि मेयर समर्थकों को चंगू-मंगू कहकर अपमानित कर रहे हैं और किच्छा जाकर चुनाव लड़वाने की बात करते हैं। आप सौ बार किच्छा जाइए, लड़वाने मत जाइए, खुद चुनाव लड़िए, तब आटे-दाल का भाव पता चलेगा। उन्होंने कहा कि वह 25 वर्षों से विधायक बेहड़ के साथ जुड़े हैं, लेकिन कभी लाभ नहीं लिया, जबकि मेयर के वही सहयोगी जिनको वह चंगू कहते हैं, आज ठेकेदारी में सक्रिय हो गए हैं। एक सहयोगी को ठेकेदारी शुरू कराई गई और दूसरे की 500 करोड़ की जमीन फ्री-होल्ड करा दी गई। खेड़ा ने कहा कि मेयर हमारे परिवार पर सवाल उठाते हैं। उन्होंने कहा कि प्याज-लहसुन खाना बुरा नहीं, कमीशन खाना बुरा है। कमीशन को गंगाजल से धोकर थोड़े ही लिया जाता है। खेड़ा ने कहा कि निगम को बेच खाने की कोशिश हो रही है और जनता के पैसे पर राजनीति की जा रही है। उन्होंने कहा कि मेयर पद का मतलब यह नहीं कि झूठ फैलाते रहें। नगर निगम के कार्यों और फैसलों में भारी अनियमितताएं हैं और मेयर को जनता को बताना चाहिए कि कौन लोग निगम के फैसलों से फायदा उठा रहे हैं।

करारा जवाब कांग्रेस नेताओं को बर्दाश्त नहीं होता:विकास शर्मा

रुद्रपुर। नगर निकाय चुनावों के बाद लगातार जारी राजनीतिक बयानबाजी के बीच मेयर विकास शर्मा ने कांग्रेस पर तीखा पलटवार किया है। मेयर ने कहा कि रुद्रपुर विधानसभा की जनता ने उन पर भरोसा जताते हुए 13 हजार से अधिक मतों से ऐतिहासिक जीत दिलाई है। यह जनता के विश्वास, विकास की अपेक्षाओं और उनकी कार्यशैली का परिणाम है। मेयर विकास शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की विकासपरक सोच, पारदर्शी शासन और भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासनिक व्यवस्था के चलते आज उत्तराखंड में कांग्रेस अपनी जमीन खोजने में भी नाकाम साबित हो रही है। उनके अनुसार, कांग्रेस के पास न जनाधार बचा है, न ही कोई ठोस मुद्दा इसलिए किच्छा विधायक तिलकराज बेहड़ हों या फिर कांग्रेस नेता मोहन खेड़ा,दोनों निराधार और अनर्गल बयानबाजी कर राजनीतिक लाभ लेने में जुटे हुए हैं।जब करारा जवाब देते हैं, तो कांग्रेस नेताओं को बर्दाश्त नहीं होता। मेयर ने कहा कि वह कांग्रेस नेताओं के आरोपों पर तथ्यों के साथ जवाब देते हैं, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व इसे सहन नहीं कर पाता। उन्होंने कहा कांग्रेस नेता लगातार भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। जब हम उनके आरोपों का तथ्यात्मक जवाब देते हैं तो उन्हें यह नागवार गुजरता है। कांग्रेस का उद्देश्य सिर्फ विवाद खड़ा करना है, काम करना नहीं।"मेयर ने दावा किया कि उनका पूरा कार्यकाल पारदर्शिता, नियमितता और जनहितकारी योजनाओं के लिए समर्पित रहेगा। शहर में चल रहे विकास कार्यों,सड़क, ड्रेनेज, सफाई व्यवस्था, यातायात सुधार और सार्वजनिक सुविधाओं,को और मजबूत किया जाएगा।उन्होंने कहा कि नगर निगम में हर कार्य नियमों के अनुसार और सार्वजनिक हित में किया जा रहा है।मेयर ने कांग्रेस नेताओं को चुनौती देते हुए कहा कि यदि उन्हें निगम के विकास कार्यों या उनकी कार्यशैली पर आपत्ति है, तो वे जनता के सामने तथ्यात्मक प्रमाण प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा सिर्फ बयान देकर लोगों को बरगलाने से सच्चाई नहीं बदलती। कांग्रेस नेता आरोप लगाने के बजाय जनता को वास्तविकता बताएं। मेयर के इस बयान के बाद रुद्रपुर की राजनीति में गरमाहट और बढ़ गई है। आने वाले दिनों में स्थानीय राजनीति और तीखी होने की संभावना जताई जा रही है।

मकर संक्रांति पर खिचड़ी सहभोज का आयोजन

किच्छा (उद संवाददाता)। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं समाजसेवी संजीव कुमार सिंह द्वारा मकर संक्रांति के पावन अवसर पर आदित्य चौक स्थित अपने कार्यालय में भव्य खिचड़ी सहभोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सूर्य के मकर राशि में प्रवेश और सामाजिक समरसता के इस पर्व पर क्षेत्र के लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस दौरान संजीव कुमार सिंह ने सभी को पर्व की शुभकामनाएं देते हुए प्रदेश की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की।उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए संजीव कुमार सिंह ने कहा कि मकर संक्रांति केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि प्रकृति, सूर्य, कृषि और समाज के बीच संतुलन का उत्सव है। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रकृति जब हमें संसाधन देती है, तो वह किसी की जाति या धर्म नहीं देखती। यह पर्व जीवन में नई ऊर्जा और सकारात्मकता के शुभ आरंभ का प्रतीक है। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे आयोजनों का मुख्य उद्देश्य सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना और जातिगत भेदभाव को मिटाकर हिंदू समाज व सनातन धर्म की एकजुटता को और अधिक मजबूत करना है। खिचड़ी सहभोज के दौरान बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया और एक-दूसरे को पर्व की बधाई दी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से किशन सिंह, धनंजय सिंह, ब्रह्मानंद पुरोहित, रोशन अरोरा, डॉ. राहुल गंगवार, भगवान सिंह, सुरेन्द्र चौधरी, लक्खा सिंह, मनोज गुप्ता, अनिल सिंह, डॉ. अजीम, विशाल चौहान, राजकुमार कोली, अमित सिंह, संदीप, हेमन्त, करन गंगवार और संजय सहित तमाम स्थानीय लोग एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भव्य कलश यात्रा के साथ भागवत कथा शुरू

गदरपुर(उद संवाददाता)। श्री सनातन धर्म मंदिर के वार्षिक उत्सव के पावन अवसर पर गुरुवार को नगर में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इसी के साथ श्रीमद् भागवत कथा का विधिवत शुभारंभ हो गया है। कलश यात्रा में 251 महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर कलश धारण कर सहभागिता की, जिससे पूरा मार्ग भक्तिमय नजर आया।यह कलश यात्रा आवास विकास स्थित श्री शिवपार्वती मंदिर से वैदिक मंत्रोच्चार के बीच प्रारंभ हुई। यात्रा गूलरभोज रोड और नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए बुध बाजार स्थित श्री सनातन धर्म मंदिर पहुँचकर संपन्न हुई। इस दौरान बड़ी संख्या में महिला व पुरुष श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए शामिल हुए। श्री सनातन धर्म मंदिर के अध्यक्ष राजकुमार भुड्डी ने सपरिवार यात्रा का नेतृत्व किया और पवित्र श्रीमद् भागवत महापुराण को सिर पर धारण कर शोभा यात्रा की गरिमा बढ़ाई। नगर के श्रद्धालुओं ने जगह- जगह पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया।आयोजन समिति ने बताया कि 16 जनवरी से 22 जनवरी तक मंदिर परिसर में प्रतिदिन श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। इसमें कथा व्यास द्वारा भगवान की विभिन्न लीलाओं का वर्णन कर श्रद्धालुओं को धर्म और भक्ति के मार्ग से जोड़ा जाएगा। कथा के समापन पर 23 जनवरी को सत्संग एवं विशाल भंडारे का आयोजन होगा। कलश यात्रा के समापन के पश्चात मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की गई और क्षेत्रवासियों से कथा श्रवण के लिए पहुँचने की अपील की गई। यात्रा के दौरान पुलिस और प्रशासन की ओर से भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहे।

SAHAS Homeo
साहस होम्यो मेडिकल स्टोर एवं क्लीनिक
जर्मन तथा सभी प्रकार के होम्योपैथिक व बायोकेमिक दवाईयों के विक्रेता
डॉ. यश पाण्डेय
होम्योपैथिक फिजिशियन
बी.एच.एम.एस., जयपुर
चर्म रोग | गुर्दा रोग | पेट रोग
गुदा रोग | लिवर सम्बन्धि रोग
अन्य रोग •स्पान्डीलाईटिस •श्वास रोग •मोटापा •दमा •प्रोस्टेट •माइग्रेन •टान्सिल •एलर्जी •ब्रोनकाइटिस
बच्चों के रोग •पेट का दर्द •अपच •कान में संक्रमण / दर्द •खांसी •जुकाम •निमोनिया •बुखार •दांत निकलना
साहस होम्यो क्लीनिक
निकट गुरुद्वारा, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी
मो. 9456727473, 9410514531 शनिवार अवकाश

मार्शल आर्ट में चमके एडलवाइज स्कूल के खिलाड़ी

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। हैदराबाद (तेलंगाना) में आयोजित स्काई मार्शल आर्ट राष्ट्रीय प्रतियोगिता में एडलवाइज पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए शानदार प्रदर्शन किया है। विद्यालय की टीम ने राष्ट्रीय स्तर पर एक रजत (सिल्वर) और तीन कांस्य (ब्रॉन्ज) पदक जीतकर विद्यालय व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता के परिणामों की जानकारी देते हुए विद्यालय प्रशासन ने बताया कि संजय शर्मा ने कड़े मुकाबले में रजत पदक हासिल किया। वहीं परीक्षित चंदेल, साक्षी दिवाकर और सौम्या बिष्ट ने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किए। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विद्यालय में हर्ष का माहौल है। पदक विजेता विद्यार्थियों के स्कूल पहुँचने पर प्रधानाचार्य योगेश चंदेल और प्रबंधक ललित सिंह ने उन्हें सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने विजेताओं को बधाई देते हुए आगामी प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं। विद्यालय प्रबंधन ने टीम के कोच विशाल शर्मा के प्रयासों की भी सराहना की और उन्हें धन्यवाद दिया, जिनके कुशल प्रशिक्षण और मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने यह उपलब्धि प्राप्त की है। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

सीमावर्ती गांवों में पहुँचेगी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ

आईटीबीपी के साथ हुआ ऐतिहासिक करार,उत्तरकाशी, चमोली और पिथौरागढ़ के 108 गांवों को मिलेगा लाभ

देहरादून(उद संवाददाता)।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में मुख्यमंत्री आवास में उत्तराखंड शासन एवं भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के मध्य स्वस्थ सीमा अभियान के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत एवं कैबिनेट मंत्री श्री सौरभ बहुगुणा भी उपस्थित रहे।इस एमओयू का उद्देश्य पिथौरागढ़, चमोली एवं उत्तरकाशी जनपदों के अंतर्गत स्थित 108 सीमावर्ती गांवों में निवासरत नागरिक जाएंगी। साथ ही लाभार्थियों के मेडिकल हेल्थ कार्ड/रिकॉर्ड का रख-रखाव एवं उपकरणों, दवाइयों तथा उपभोग्य सामग्रियों का समुचित प्रबंधन सुनिश्चित किया जाएगा।वहीं उत्तराखंड सरकार द्वारा संबंधित गांवों के जनसांख्यिकीय आंकड़े उपलब्ध कराए जाएंगे तथा प्रारंभिक स्तर पर आवश्यक चिकित्सा उपकरण प्रदान किए जाएंगे। उपभोग के आधार पर प्रत्येक छह माह में दवाइयों एवं अन्य सामग्रियों की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। आपातकालीन परिस्थितियों में निकासी, दूरसंचार गए एमओयू की वर्तमान स्थिति के अनुसार नवंबर 2024 से 25 प्रतिशत आपूर्ति ट्रायल आधार पर तथा मार्च 2025 से 100 प्रतिशत आपूर्ति प्रारंभ की गई है। इस व्यवस्था के अंतर्गत जीवित भेड़/बकरी, जीवित मुर्गा, हिमालयन ट्राउट मछली, ताजा दूध, पनीर एवं टीपीएम जैसे उत्पादों की खरीद विभिन्न सहकारी संस्थाओं के माध्यम से की जा रही है। अब तक लगभग 3,79,650.23 किलोग्राम एवं 3,25,318.72 लीटर उत्पादों की खरीद की जा चुकी है, जिसकी कुल अनुमानित जीवित भेड़/बकरी की 4,00,000 किलोग्राम मात्रा की खरीद 13 करोड़ रुपये में, जीवित मुर्गे की 2,50,000 किलोग्राम खरीद 4 करोड़ रुपये में तथा हिमालयन ट्राउट मछली की 82,000 किलोग्राम खरीद 3.90 करोड़ रुपये में प्रस्तावित है। इसके अतिरिक्त 21,302 किलोग्राम पनीर की खरीद 0.79 करोड़ रुपये, 4,73,532 लीटर ताजे दूध की खरीद 3.3 करोड़ रुपये तथा 1,40,018 लीटर टीपीएस की खरीद 1.5 करोड़ रुपये में की जाएगी। एमओयू के उपरांत 9,85,391 किलोग्राम सब्जियों की सफलतापूर्वक कराई जा चुकी हैं, जिससे सीमावर्ती एवं दुर्गम क्षेत्रों में संपर्क और आपूर्ति व्यवस्था को प्रभावी बनाया गया है। भविष्य में किए जाने वाले अन्य समझौतों के तहत, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) द्वारा उत्तराखंड राज्य में प्रथम चरण में 108 सीमावर्ती गांवों की पहचान की गई है। इन गांवों में पब्लिक हेल्थ सेंटर (पीएचसी) एवं पशु चिकित्सा केंद्रों की दूरी को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य एवं पशु चिकित्सा सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाओं पर कार्य किया जाएगा। ी खरीद सुनिश्चित की गई है, जिससे 550 से अधिक सीमावर्ती निवासी लाभान्वित हुए हैं और ठेकेदार एवं दलाल प्रणाली को पूर्णतः समाप्त करते हुए किसी भी प्रकार के उपककसम उंद की भूमिका नहीं रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस व्यवस्था के माध्यम से सीमावर्ती क्षेत्रों में नए रोजगार के अवसरों का सृजन हुआ है तथा पूरे वर्ष ऑर्गेनिक, ताजी एवं निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित की गई है, जिसमें बरसात एवं सर्दियों जैसे कठिन मौसम भी शामिल हैं। स्थानीय स्तर पर उच्च गुणवत्ता वाले नॉन-वेज, फल,

आबादी को एकीकृत प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। यह अभियान चरणख्र1 के रूप में प्रारंभ किया जा रहा है, जिसके माध्यम से दुर्गम एवं सीमावर्ती क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को सुनिश्चित किया जाएगा।एमओयू के तहत भारतख्रतिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), मुख्यालय उत्तरी सीमांत, देहरादून को प्रथम पक्ष तथा चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखंड सरकार को द्वितीय पक्ष के रूप में नामित किया गया है द्य समझौते के अनुसार, आईटीबीपी द्वारा योग्य चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ तथा उपलब्ध एमआई रूम एवं टेली-मेडिसिन सुविधाओं की व्यवस्था की जाएगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सीमावर्ती गांवों का नियमित भ्रमण कर स्थानीय नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की सहायता तथा उपकरणों के स्वामित्व एवं आवश्यक प्रतिस्थापन की जिम्मेदारी भी राज्य सरकार द्वारा निभाई जाएगी।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस अवसर पर कहा कि स्वस्थ सीमा अभियान सीमावर्ती क्षेत्रों में निवासरत नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में एक प्रभावी पहल है। यह न केवल स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करेगा, बल्कि सीमावर्ती गांवों में विश्वास, सुरक्षा और स्थायित्व को भी बढ़ावा देगा। उन्होंने कहा कि सरकार सीमांत क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है और यह एमओयू उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।इस अवसर पर आईटीबीपी अधिकारियों ने जानकारी दी कि आई टी बी पी एवं उत्तराखंड सरकार के मध्य में पूर्व में स्थानीय उत्पादों की आपूर्ति हेतु किए लागत घ11.94 करोड़ से अधिक है। इस पहल से राज्य के पशुपालकों, मत्स्य पालकों एवं दुग्ध उत्पादकों को प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है, साथ ही स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में सहायता मिल रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यह पहल सीमावर्ती क्षेत्रों को आत्मनिर्भर बनाने, स्थानीय नागरिकों को आजीविका से जोड़ने तथा राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े क्षेत्रों में स्थायित्व सुनिश्चित करने की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगी। राज्य सरकार सीमांत क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में वाइब्रेंट / बॉर्डर ग्रामों से वर्ष 2026 के लिए स्थानीय उत्पादों की प्रस्तावित खरीद का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया है। इसके अंतर्गत खरीद 2.77 करोड़ रुपये तथा 6,20,228 किलोग्राम फलों की खरीद 3.50 करोड़ रुपये अनुमानित है। इस प्रकार कुल मिलाकर लगभग 7,53,302 किलोग्राम, 6,13,550 लीटर तथा डवन्‍के उपरांत 16,05,619 किलोग्राम उत्पादों की खरीद की जाएगी, जिसकी कुल अनुमानित लागत लगभग 32.76 करोड़ रुपये है। इस अवसर पर जानकारी दी गई कि आगामी एमओयू एवं प्रस्तावित समझौतों के अंतर्गत, स्थानीय पशुपालकों से नॉन-वेज उत्पादों की सीधी खरीद प्रक्रिया को सुदृढ़ करने हेतु समझौता किया जाना प्रस्तावित है, जिससे मध्यस्थों की भूमिका समाप्त हो सके और उत्पादकों को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त हो। इसके साथ ही उत्तराखंड टूरिज्म डिपार्टमेंट के साथ किए गए हेलीपैड समझौते के अंतर्गत अब तक कुल 221 हेली लैंडिंग इसके अतिरिक्त स्थानीय किसानों को प्रोत्साहित करने हेतु स्थानीय फल एवं सब्जियों की खरीद के लिए एमओयू किया जाना प्रस्तावित है। साथ ही राज्य की सहकारी चीनी मिलों से उत्तम गुणवत्ता की चीनी की खरीद हेतु भी समझौता प्रस्तावित है। दुर्गम क्षेत्रों में त्वरित एवं प्रभावी आवागमन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आईटीबीपी द्वारा न्बाक। हेलीकॉप्टर सेवाओं के उपयोग हेतु एमओयू किया जाना भी प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यह पहल वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम को प्रभावी रूप से सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हो रही है तथा 'वोकल फॉर लोकल' की अवध ारणा को व्यवहारिक धरातल पर साकार कर रही है। च्वपदज जव च्वपदज डवकमस के माध्यम से किसानों से सीध सब्जी एवं दुग्ध उत्पादों की उपलब्धता से न केवल उपभोक्ताओं को लाभ मिला है, बल्कि उत्पादकों की आय में भी वृद्धि हुई है। इसके साथ ही यह पहल रिवर्स माइग्रेशन को प्रोत्साहित करने में सहायक सिद्ध हो रही है, क्योंकि स्थानीय लोगों को अपने ही क्षेत्रों में आजीविका के स्थायी अवसर प्राप्त हो रहे हैं। पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह व्यवस्था अत्यंत लाभकारी है, क्योंकि इससे कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आई है। समग्र रूप से यह पहल 17 सतत विकास लक्ष्यों (ैक्ळ) में से 10 लक्ष्यों की सफल प्राप्ति में योगदान देती है, जो इसे सामाजिक, आर्थिक एवं पर्यावरणीय दृष्टि से एक प्रभावशाली और सतत मॉडल बनाती है।इस अवसर पर सचिव डॉ बी वी आर सी पुरुषोत्तम, आई जी आईटीबीपी संजय गुंज्याल व आईटीबीपी के अधिकारी उपस्थित रहे।

दंगल में उत्साह के बीच पहलवानों ने दिखाये दांव पेंच

इतवार बाजार में शुरू हुआ तीन दिवसीय दंगल का भव्य आयोजन

गदरपुर। इतवार बाजार में समाजसेवी मो. आलम द्वारा अपने पिता की याद में आयोजित तीन दिवसीय दंगल का शुभारंभ बृहस्पतिवार को किया गया। दंगल का आयोजन दोपहर करीब 2 बजे शुरू हुआ, जिसमें दूर-दराज से आए पहलवानों ने अपनी कुश्ती का दमखम दिखाया। आयोजन स्थल पर भारी भीड़ उमड़ी रही और पूरा प्रांगण खचाखच भरा नजर आया। दर्शकों ने पारंपरिक कुश्ती मुकाबलों का जमकर आनंद लिया। दंगल में यूपी, बिहार सहित आसपास के जिलों से आए नामचीन पहलवानों ने भाग लिया। रोमांचक मुकाबले हुए, जिनमें पहलवानों की ताकत, तकनीक और धैर्य देखने को मिला। हर मुकाबले पर दर्शकों की तालियों और उत्साहपूर्ण नारों से माहौल गूंजता रहा। आयोजनकर्ता मो. आलम ने बताया कि यह दंगल उनके

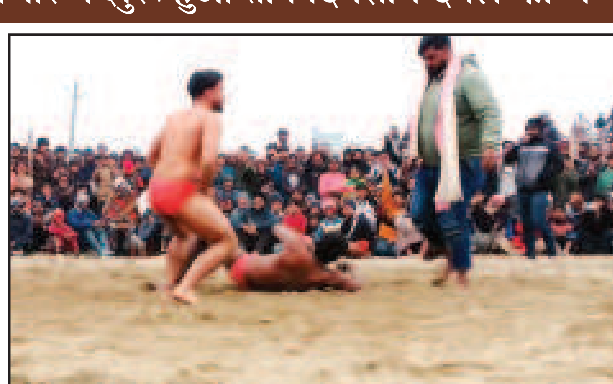

पिता की स्मृति में कराया गया है, जिनका खेलों के प्रति विशेष लगाव था। उन्होंने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य ग्रामीण खेलों को बढ़ावा देना और युवाओं को सकारात्मक दिशा देना है। मो. आलम ने युवाओं से नशा, गलत संगत और बुरी आदतों से दूर रहने की अपील की।उन्होंने कहा कि खेल युवाओं को अनुशासन, मेहनत और स्वस्थ जीवन की ओर प्रेरित करते हैं। दंगल में विजेता पहलवानों को नगद पुरस्कार और सम्मान प्रदान किया गया। आयोजन को सफल बनाने में स्थानीय ग्रामीणों और युवाओं का सराहनीय सहयोग रहा। तीन दिनों तक चलने वाले इस दंगल को लेकर क्षेत्र में खासा उत्साह देखा जा रहा है। दंगल देखने का जुनून ऐसा चढ़ा कि दर्शक जमीन ही नहीं, पेड़ों पर भी नजर आए। मैदान के चारों ओर तिल रखने की जगह नहीं बची तो युवा और बच्चे पास के पेड़ों पर चढ़कर कुश्ती का लुत्फ उठाते दिखे। हर दांव-पेंच पर तालियों और नारों की गूंज सुनाई देती रही। ऊंचाई से मुकाबले देखने का नजारा किसी मेले से कम नहीं था। यह दृश्य दंगल की लोकप्रियता और दर्शकों के जबरदस्त उत्साह को बखूबी बयां करता है।इस दौरान समाजसेवी लाल बादशाह,सभासद परमजीत सिंह पम्मा, अश्वनी कुमार,सचिन गुप्ता, सभासद प्रतिनिधि सलीम बाबा, नाजिर, रामजीवन पुर प्रधान मोहम्मद रिजवान, शाकिर अली, अजीम, इरफान, याकूब, नासिर बाबा, सहित काफी संख्या में लोग रहे

बाबा भूमणशाह की जयंती और समागम में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

गदरपुर (उद संवाददाता)। मकर संक्रांति के पावन पर्व और कंबोज समाज के आराध्य बाबा भूमणशाह की 278वीं जयंती के उपलक्ष्य में ग्राम राजपुरा नंबर एक स्थित गुरुद्वारा बाबा भूमणशाह में भव्य गुरमत समागम का आयोजन किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान में भारी संख्या में संगत ने शिरकत कर मत्था टेका और क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। बलदेव सिंह ग्रंथी ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि सुबह श्री गुरु ग्रंथ साहिब के अखंड पाठ के भोग डाले गए, जिसके पश्चात सर्वत्र सुख-शांति के लिए सामूहिक अरदास की गई।

समागम में विशेष रूप से सिरसा (हरियाणा) से आए रागी जत्थों और कीर्तनियों ने गुरु नानक देव और बाबा भूमणशाह की शौर्य गाथा व जीवन दर्शन का संगीतमय वर्णन कर संगत को निहाल किया। विभाजन के इतिहास को साझा करते हुए दिवंगत शोभाराम के परिवार के सदस्य जमुना दास ने बताया कि भारत के बंटवारे के बाद जब कंबोज समाज के लोग यहाँ आकर बसे, तो उन्होंने बाबा भूमणशाह की स्मृति में इस गुरुद्वारे की स्थापना की थी। तभी से हर वर्ष मकर संक्रांति के अवसर पर यहाँ विशाल समागम आयोजित किया जाता है। उत्सव के दौरान गुरु का अटूट लंगर भी वितरित किया गया। समारोह में दूर-दराज से आई संगत के मनोरंजन और खरीदारी के लिए स्थानीय दुकानदारों ने भी अपने स्टॉल सजाए थे, जिससे माहौल किसी मेले जैसा नजर आया। देर शाम तक चले इस कार्यक्रम में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा और गुरुद्वारे को फूलों व रोशनी से बेहद आकर्षक ढंग से सजाया गया था।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

संघ-चीनी कम्युनिस्ट मुलाकात

भाजपा मुख्यालय में पार्टी महासचिव अरुण सिंह के नेतृत्व में एक टीम ने चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। जाहिर है कि कुछ विमर्श भी हुआ होगा। बाद में चीन की अंतरराष्ट्रीय विभाग की उपमंत्री सुन हैयान के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल आरएसएस मुख्यालय गया और सरकार्यवाह (महासचिव) दत्तात्रेय होसबले से मुलाकात और बातचीत की। इन मुलाकातों को न तो 'शिष्टाचार' माना जा सकता है और न ही 'कूटनीतिक' करार दिया जा सकता है। बेशक सार्वजनिक तौर पर भाजपा-संघ सीपीसी, कमोबेश सोच और विचारधारा के स्तर पर, एक-दूसरे के विलोम रहे हैं। विरोधी भी रहे हैं। एक पूरा दौर था कि भारत के रक्षा मंत्री चीन को 'दुश्मन नंबर एक' करार देते रहे हैं। दरअसल चीन में तानाशाह किस्म का 'एकाधिकार' है, जबकि भारत पूरी तरह एक लोकतांत्रिक देश है। हमारे देश में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री 5-5 साल के लिए ही चुने जाते हैं। चीनी राष्ट्रपति जब तक चाहें, अपने पद पर काबिज रह सकते हैं। बेशक चीन ने हमारी 43,000 वर्ग किमी से अधिक जमीन पर कब्जा कर रखा है। इसमें से करीब 38,000 वर्ग किमी भू-भाग 1962 के युद्ध में चीन ने कब्जा लिया था और बाद में पाकिस्तान ने 5180 वर्ग किमी जमीन चीन को 'समर्पित' की थी। भारत और चीन के दरमियान बेहद गंभीर और आपत्तिजनक विवाद हैं। 2025 से पहले मानसरोवर यात्रा तक पर रोक लगी थी। जून, 2020 के लद्दाख की गलवान घाटी के उस सैन्य हमले को कभी भी भूला नहीं जा सकता, जिसमें भारत के 20 जांबाज सैनिक 'शहीद' हुए थे। यह दीगर है कि हमारे सैनिकों ने भी बाद में पलटवार किया था और चीन के 40-45 सैनिकों को मार डाला था, लेकिन चीन ने इस यथार्थ को आज तक स्वीकार नहीं किया। सही आंकड़ा भी सामने नहीं आ पाया, लेकिन भारतीय सैनिकों ने प्रतिशोध जरूर लिया था। 'गलवान त्रासदी' के बाद संगठन के स्तर पर ये पहली बार मुलाकातें हुई हैं। हालांकि प्रधानमंत्री मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवल विभिन्न शिखर सम्मेलनों में भाग लेने चीन का प्रवास कर चुके हैं। उन्होंने अपने समकक्षों के साथ बैठकें भी की हैं।संगठन के स्तर पर भाजपा-संघ और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के नेतागण एक-दूसरे देश का दौरा करते रहे हैं। कमोबेश भाजपा के प्रतिनिधिमंडल केंद्र में वाजपेयी सरकार के कार्यकाल से ही चीन जाते रहे हैं। बेशक दोनों राजनीतिक दलों की सोच और कार्यप्रणाली में गहरे विरोधाभास हैं, लेकिन आपसी संचार और संवाद की गुंजाइश बरकरार रखी गई है। ये मुलाकातें भी उसी संदर्भ में देखी जानी चाहिए। इनसे किसी बड़े परिवर्तन के आसार नहीं हैं। दोनों देशों के बीच विवादों पर भारत सरकार के प्रतिनिधि ही बात करेंगे। यह उनका ही जनादेश है। भाजपा-संघ इस संदर्भ में अनधिकार चेष्टा नहीं कर सकते थे। भारत-चीन में बेहद महत्वपूर्ण यह है कि अक्तूबर, 2024 में 'ब्रिक्स सम्मेलन' के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के संवाद से संबंधों में जो बर्फ पिघली थी, उससे दोनों देश करीब आए हैं। लद्दाख में तैनात सेनाएं पीछे हटी हैं, सीमा-विवाद पर भी बातचीत हुई है और बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य में दोनों को एक-दूसरे की जरूरतों का एहसास हुआ है। हमें चीन से खाद, दुर्लभ पृथ्वी तत्त्वों, रसायनों और कई अन्य वस्तुओं की जरूरत है, जिनका आश्वासन चीन ने दिया है। कांग्रेस को इन मुलाकातों पर कपड़े नहीं फाडने चाहिए। उसके मीडिया और विदेश मामलों के प्रकोष्ठ ही एक-दूसरे के खिलाफ हैं। चीनी प्रतिनिधिमंडल कांग्रेस के विदेश प्रकोष्ठ के प्रभारी एवं पूर्व केंद्रीय विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद से भी मिला है। भाजपा-संघ ने चीनी प्रतिनिधिमंडल के साथ किसी गोपनीय समझौते पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए। फिर इन मुलाकातों को 'देशद्रोह' क्यों करार दिया जा रहा है? बेशक चीन की तुलना में हमारा व्यापार घाटा बहुत है। उसे कम किया जा सकता है, लेकिन जिन उत्पादों को लेकर चीन हमसे बहुत आगे है और वे हमारी जरूरत की वस्तुएं हैं, तो क्या चीन से नहीं लेनी चाहिए? क्या भारत सरकार की ऐसी कोई स्थापित नीति है? विवादों के बावजूद रिश्तों में नरमी और समन्वय संभव है।

मुख्य सचिव ने जांची प्रधानमंत्री की ड्रीम प्रोजेक्ट्स की रफ्तार

समय पर कार्य पूरा करने के निर्देश, मार्च २०२६ तक पूरी होंगी अधिकांश योजनाएं

देहरादून (उद संवाददाता)। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने गुरुवार को सचिवालय में प्रधानमंत्री द्वारा शिलान्यास की गई विभिन्न विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी योजनाओं की भौतिक और वित्तीय प्रगति की निरंतर निगरानी की जाए ताकि इन्हें निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण कर आमजन को लाभ पहुँचाया जा सके।समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने कहा कि जिन परियोजनाओं का काम पूरा हो चुका है, लेकिन उनका लोकार्पण अभी बाकी है, ऐसी योजनाओं को जल्द से जल्द जनता को समर्पित किया जाए। उन्होंने लंबित कार्यों के प्रति विभागों को प्रो-एक्टिव रुख अपनाने की सलाह देते हुए कहा कि गतिमान परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करना सरकार की प्राथमिकता है। मुख्य

सचिव ने अंतर-विभागीय समन्वय पर जोर देते हुए कहा कि यदि किसी परियोजना में एक से अधिक विभाग शामिल हैं, तो वे आपसी तालमेल से बाधाओं को दूर करें।बैठक में लखवाड़ बहुद्देश्यीय परियोजना पर विशेष चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने एमडी यूजेवीएनएल को निर्देशित किया कि लखवाड़ परियोजना के कार्यों में तेजी लाने के लिए केंद्रीय जल आयोग को तुरंत डिजाइन और शेड्यूल उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने नियोजन विभाग को भी निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री द्वारा शिलान्यास की गई सभी परियोजनाओं की नियमित रूप से निगरानी सुनिश्चित की जाए।अधिकारियों ने बैठक में जानकारी दी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अब तक 22015.76 करोड़ रुपये की लागत वाली कुल 91 परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया है। इनमें से 18 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं, जिनमें से 6 का लोकार्पण हो चुका है और 12 का लोकार्पण होना बाकी है। वर्तमान में 73 परियोजनाओं पर अलग-अलग स्तरों पर काम चल रहा है। उम्मीद जताई गई है कि इनमें से अधिकांश परियोजनाएं मार्च 2026 तक पूरी कर ली जाएंगी।बैठक में विशेष प्रमुख सचिव अमित कुमार सिन्हा, सचिव नीतेश कुमार झा, डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा, डॉ. एस.एन. पाण्डेय, युगल किशोर पंत, अपर सचिव विनीत कुमार एवं नवनीत पाण्डेय सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

मकर संक्रांति पर ओबीसी मोर्चा ने वितरित किया खिचड़ी प्रसाद

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। मकर संक्रांति के पावन पर्व के उपलक्ष्य में क्षेत्र में विभिन्न धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में ग्राम जीतपुर नेगी स्थित प्राचीन शिव मंदिर परिसर में ओबीसी मोर्चा द्वारा खिचड़ी प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।शुक्रवार को आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय निवासियों और श्रद्धालुओं ने

शिरकत की। मंदिर में पूजा-अर्चना के पश्चात मोर्चा के पदाधिकारियों ने राहगीरों और भक्तों को गरम खिचड़ी का प्रसाद वितरित किया। इस अवसर पर ओबीसी मोर्चा के कुमाऊं सह संयोजक वीरेंद्र जायसवाल ने कहा कि मकर संक्रांति का पर्व दान-पुण्य और आपसी भाईचारे का प्रतीक है, और इसी भावना के साथ यह आयोजन किया गया है।कार्यक्रम में मुख्य रूप से महेश कश्यप, विनोद जायसवाल और संजय कश्यप सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी ने पर्व की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए सामाजिक समरसता का संदेश दिया। दोपहर तक चले इस वितरण कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

कार्यशाला में किलकारी एवं मोबाइल अकादमी कार्यक्रम की समीक्षा

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। मुख्य चिकित्सा कार्यालय सभागार में जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें स्वास्थ्य विभाग, भारत सरकार द्वारा संचालित किलकारी एवं मोबाइलअकादमी कार्यक्रम की समीक्षा की गई। कार्यशाला में अरमान संस्था के प्रतिनिधि डॉ. अखिलेश त्रिपाठी ने बताया कि किलकारी कार्यक्रम गर्भवती एवं धात्री महिलाओं के लिए भारत सरकार द्वारा

संचालित मोबाइल आधारित पूर्णत: नि:शुल्क सेवा है, जिसमें गर्भावस्था और नवजात बच्चे के स्वास्थ्य से जुड़ी जरूरी सलाह लगातार 72 हफ्तों तक लाभार्थी को साप्ताहिक रूप से मिलती है।कार्यक्रम अधिकारी मनोज कुमार सिंह ने बताया कि आशा कार्यकर्ताओं के लिए भारत सरकार द्वारा मोबाइल आधारित प्रशिक्षण कोर्स मोबाइल अकादमी की भी विस्तृत जानकारी दी गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 के0 के0 अग्रवाल ने बताया कि लाभार्थियों तक किलकारी सेवा की पहुंच बढाने के लिए अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है एवं वृहद् प्रचार प्रसार किये जाने की आवश्यकता है। कार्यशाला में जिला कार्यक्रम प्रबंधक, हिमांशु, जिला डाटा प्रबंधक, चांद मियां, जिला कम्युनिटी मोबिलाइजर निधि शर्मा व समस्त ब्लॉक समन्वयक, समस्त ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक ब्लॉक डाटा प्रबंधक मौजूद थे।

जयपुर में सेना दिवस, पराक्रम का उत्सव

भारत जैसे विशाल, विविधतापूर्ण और संवेदनशील भू-राजनीतिक परिवेश वाले देश के लिए सेना केवल एक सुरक्षा बल नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संप्रभुता, आत्मसम्मान और स्थायित्व की आधारशिला है। हर वर्ष 15 जनवरी को मनाया जाने वाला सेना दिवस इसी गौरवशाली परंपरा और बलिदान की याद दिलाता है। इस बार राजस्थान की राजधानी जयपुर में सेना दिवस परेड का आयोजन केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि इस संदेश का उद्घोष है कि भारतीय सेना अब जनता के और अधिक निकट आकर अपने शौर्य, तकनीकी क्षमता और पेशेवर प्रतिबद्धता का सार्वजनिक प्रदर्शन कर रही है। सेना दिवस मनाने की परंपरा हमें उन पुरानी यादों का पुन: स्मरण करवाती है, जब 15 जनवरी 1949 को फील्ड मार्शल केएम करियप्पा ने स्वतंत्र भारत के पहले भारतीय सेना प्रमुख के रूप में पदभार संभाला था। यह केवल एक पदभार ग्रहण नहीं था, बल्कि औपनिवेशिक मानसिकता से बाहर निकलकर स्वदेशी सैन्य नेतृत्व की शुरुआत थी। तब से लेकर आज तक भारतीय सेना ने युद्ध, आतंकवाद, आपदा प्रबंधन और शांति स्थापना, हर मोर्चे पर अपनी क्षमता सिद्ध की है। किंतु इतिहास गवाह है कि जब- जब हमारी सैन्य तैयारियां कमजोर पड़ीं या राष्ट्रीय एकता शिथिल हुई, तब-तब बाहरी शक्तियों ने हमें चुनौती दी। 1962 का चीन युद्ध हो या सीमापार आतंकवाद की निरंतर चुनौती, ये सभी हमें सजग रहने की चेतावनी देते हैं। आज का समय पारंपरिक युद्धों का नहीं, बल्कि बहुआयामी संघर्षों का है। सीमाओं पर टकराव के साथ-साथ साइबर युद्ध, सूचना युद्ध, ड्रोन और मिसाइल तकनीक, अंतरिक्ष और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध नए रणक्षेत्र बन चुके हैं। ऐसे में भारतीय सेना की जरूरत केवल संख्या बल की नहीं, बल्कि उच्च प्रशिक्षित, तकनीकी रूप से दक्ष और बौद्धिक रूप से सक्षम पेशेवर सैनिकों की भी है। वर्तमान में भारतीय सेना अधिकारियों की लगभग 18 प्रतिशत कमी से जूझ रही है। 'मशीन के पीछे खड़ा आदमी ही महत्वपूर्ण है', यह कहावत आज के युद्ध परिदृश्य में और अधिक प्रासंगिक हो जाती है। भारत आज भी अपनी रक्षा जरूरतों के लिए काफी हद तक आयात पर निर्भर है। दशकों तक रूस और यूरोपीय देशों पर निर्भरता रही है। 'आत्मनिर्भर भारत' के तहत स्वदेशीकरण की दिशा में प्रयास अवश्य हुए हैं, तेजस विमान, आईएनएस विक्रांत जैसे उदाहरण आशा जगाते हैं, लेकिन अत्याधुनिक तकनीक, विशेषकर ड्रोन तकनीक,

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, हाइपरसोनिक मिसाइल, साइबर और अंतरिक्ष युद्ध क्षमताओं में हमें अभी लंबा रास्ता तय करना है। वैश्विक परिदृश्य में भारत का लगभग 75-80 बिलियन डॉलर का रक्षा बजट, जिसमें से आधे से अधिक वेतन और पेंशन में चला जाता है, हमारी सीमाओं को रेखांकित करता है। हमें चीन और पाकिस्तान दोनों से लगी सक्रिय सीमाओं पर सतर्क रहना पड़ता है तो अन्य पड़ोसी देश भी लगातार सिरदर्द पैदा कर रहे हैं। डॉनल्ड ट्रंप का हालिया दौर में बदला मिजाज संकेत देता है कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों में स्थायी मित्रता नहीं, स्थायी हित होते हैं। रूसी तेल आयात को लेकर अमेरिकी दबाव, अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अमेरिका का बाहर निकलना और भारतीय छात्रों को लेकर सख्त रुख अपनाना, ये सभी भारत को यह सोचने पर मजबूर करते हैं कि, भारत के लिए अपनी रक्षा और विदेश नीति में आत्मनिर्भरता और संतुलन बैठाना कितना अनिवार्य हो गया है। सैनिकों को कठोर शारीरिक प्रशिक्षण के साथ-साथ आधुनिक हथियारों के संचालन, कंप्यूटर, संचार, साइबर सुरक्षा, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, ड्रोन युद्ध, मनोवैज्ञानिक और मीडिया युद्ध की समग्र शिक्षा देना समय की मांग है। सोशल मीडिया, दुष्प्रचार, मनोवैज्ञानिक दबाव और हनीट्रैप जैसी चुनौतियां आधुनिक युद्ध का हिस्सा बन चुकी हैं, जिनसे निपटने के लिए हमारे सैनिकों की बौद्धिक और मानसिक तैयारी अनिवार्य है। इसके साथ ही पारंपरिक कार्यप्रणालियों, नियमों, रहन-सहन और व्यवस्थाओं में सुधार कर सैनिकों का मनोबल बढ़ाना भी आवश्यक है। भर्ती और पद संरचना में सुधार, उच्च शिक्षित युवाओं को नेतृत्व भूमिकाओं में लाना, पेशेवर सैन्य शिक्षा को प्राथमिकता देना और आधुनिक सैन्य पहचान के अनुरूप वेशभूषा एवं पदनामों पर विचार करना, ये सभी कदम सेना को भविष्य के लिए अधिक सक्षम बना सकते हैं। इसके लिए यह जरूरी है कि अग्निवीर भर्ती की जगह पुन: नियमित सैनिकों की भर्ती शुरू की जाए। भारतीय सेना के संख्या बल का विश्लेषण करें तो संसद की स्थायी समिति को रक्षा मंत्रालय द्वारा सूचित किया गया है कि, भारतीय सेना में 1 जुलाई 2024 तक अधिकारियों की वर्तमान संख्या 42095 है, जबकि स्वीकृत संख्या 50538 है। यानी सेना में 16.71 फीसदी अधिकारियों की कमी है। वहीं जेसीओ और एनसीओ की संख्या 1105110 है अर्थात् 7.72 फीसदी की कमी यहां भी है। कोरोना काल में भी 3 साल तक भर्तियां नहीं होने के कारण जवानों के संख्या बल में लगभग 16 फीसदी की कमी आई है। इसके अलावा हमारा नाटो की तरह कोई गठजोड़ भी नहीं है। अब चीन, पाकिस्तान, रूस और उत्तर कोरिया जैसे देश भी अमेरिका के विरुद्ध लामबंद हो गए हैं। इन हालात में हमारी फौज को स्वतंत्र सैन्य ताकत बनाने की तत्काल जरूरत है और बिना पेशेवर नेतृत्व के यह मुकाम हासिल करना आसान नहीं होगा। जयपुर में आयोजित होने वाली सेना दिवस परेड इसी बदलाव का प्रतीक है, एक ऐसी सेना जो परंपरा और आधुनिकता के संतुलन के साथ आगे बढ़ रही है। आज आवश्यकता है कि भारत सरकार रक्षा खरीद और सैन्य सुधारों को केवल घोषणाओं तक सीमित न रखे, बल्कि उन्हें समयबद्ध ढंग से लागू करे। आधुनिक, पेशेवर और आत्मनिर्भर भारतीय सेना केवल सीमा सुरक्षा का साधन नहीं, बल्कि भारत के वैश्विक आत्मविश्वास की पहचान होगी। आने वाले समय में जिस प्रकार से अमेरिका जैसे देश दुनिया के देशों को आंखें दिखा रहे हैं, तब एक सशक्त भारतीय सेना ही राष्ट्र को सुरक्षित, स्वतंत्र और सम्मानित बनाए रख सकती है।

-अनुज आचार्य

दिल्ली में मंदिर दरगाह पर हुई कार्रवाई पर की गयी शांति प्रार्थना

हल्द्वानी (उद संवाददाता)।दिल्ली के झंडेवाला क्षेत्र में स्थित मंदिर दरगाह बाबा श्री पीर रतन नाथ जी महाराज के स्थान पर डीडीए एवं एमसीडी द्वारा की गई बुलडोजर कार्रवाई पर हल्द्वानी मंडल द्वारा पुरजोर विरोध किया। मंदिर एवं पानी की व्यवस्था काट दी गई, जिससे श्री भगवान जी की सेवा में अत्यधिक परेशानी उत्पन्न हुई ।यह स्थान प्राचीन सिद्ध श्री गुरु गोरखनाथ जी का है, जो लगभग 1500 वर्ष पुराना समृद्ध स्थल है । दिल्ली में यह स्थान हैं, जिनमें देश-विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित होते हैं। इन श्रद्धालुओं के लिए लंगर की व्यवस्था इसी स्थान द्वारा की जाती है, जिसे डीडीए और एमसीडी द्वारा तोड़ दिया गया है। हल्द्वानी मंडल द्वारा व्यवस्था को शीघ्रातिशीघ्र पुनः बहाल करने तथा इस पवित्र स्थल को उसके मूल स्वरूप में लौटाया जाने का दिल्ली सरकार से अनुरोध किया गया। हल्द्वानी मंडल द्वारा राम नाम जप के साथ शांति प्रार्थना प्रदर्शन किया गया । विरोध करने वालों में श्री रतन

ट्रस्ट द्वारा मुख्यमंत्री दिल्ली एवं अन्य विभागीय अधिकारियों से ध्वस्त की गई बिल्डिंग, सेवा स्थल, आदि का विरोध किया गया एवं मंदिर ट्रस्ट की जमीन वापस देने का आग्रह भी किया गया। रोषित लोगों ने बताया कि इस कार्रवाई में मंदिर के लंगर हॉल एवं श्री भगवान जी की तुलसी वाटिका को भारी नुकसान पहुँचाया गया । साथ ही बिजली मंदिर दरगाह बाबा श्री पीर रतन नाथ जी के नाम से प्रसिद्ध है । यह परंपरा 1947 से निरंतर चली आ रही है, जिसमें प्रतिदिन प्रातः 4:30 बजे से श्री भगवान जी की आरती, हवन, श्री सुंदरकांड का पाठ, श्री रामायण का पाठ तथा पूरे दिन राम नाम का कीर्तन होता है। उन्होंने कहा इस प्रसिद्ध स्थान पर शिवरात्रि एवं चौत्र नवरात्रि के अवसर पर दो बड़े मेले लगते सेवादार हल्द्वानी मंडल प्रधान शिव राजपाल, सेवादार रक्षित आहूजा, टेकचंद कपूर, जय किशन कपूर, द्वारिका नाथ कपूर, मनोज कपूर, अमरनाथ सपरा, शिवांग कपूर, शम्मी कपूर, मधुबाला कपूर, श्वेता कपूर, साधना कपूर, अनीता राजपाल, नीना कपूर, स्नेह लता कपूर, शशि आहूजा, चारु कपूर, शिखा आहूजा, आदि उपस्थित रहे।

सेना दिवस पर अमर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि, वीर नारियों का किया सम्मान

खटीमा। सेना दिवस के गौरवशाली अवसर पर गुरुवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ऊधम सिंह नगर और पूर्व सैनिक कल्याण संगठन खटीमा के संयुक्त तत्वावधान में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान देश की सीमाओं की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीदों को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव योगेंद्र कुमार सागर (सिविल जज सीनियर डिवीजन) द्वारा अमर ज्योति प्रज्ज्वलित कर किया गया। खटीमा पहुँचने पर पूर्व सैनिक कल्याण संगठन के अध्यक्ष गंभीर सिंह धामी और अन्य पदाधिकारियों ने सचिव योगेंद्र कुमार सागर का पुष्प वर्षा कर आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए योगेंद्र कुमार सागर ने कहा कि सेना दिवस हमारे सैनिकों की वीरता, अदम्य शौर्य और बलिदान का प्रतीक है। उन्होंने शहीदों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए और हमारे वीरों के

बलिदान को कभी नहीं भूलना चाहिए। सचिव ने कार्यक्रम में उपस्थित वीर नारियों को सम्मान चिन्ह और कंबल भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने विशेष रूप से 'नालसा वीर परिवार सहायता योजना 2025' के बारे में विस्तार से जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ऊधम सिंह नगर हर पूर्व सैनिक और वीर सैनिकों के परिवारों के साथ मजबूती से खड़ा है। सैनिक परिवार किसी भी कानूनी समस्या के समाधान के लिए प्राधिकरण से निशुल्क विधिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं। पूर्व सैनिक कल्याण संगठन के अध्यक्ष गंभीर सिंह धामी ने सचिव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हर सैनिक परिवार को सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक होना चाहिए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि संगठन सैनिक परिवारों के कल्याण और सहायता के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थित लोगों ने वीर शहीदों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर उन्हें नमन किया। समारोह में चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल मोहम्मद मिराज, पैनल अधिवक्ता चंचल व शाहाना, असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल लुबीना पारूल, पीएलवी विमल कुमार सहित बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक, उनके परिजन और संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पेज एक का शेष...

दुकान का ताला ....तलाश शुरू कर दी है। वार्ड नंबर 14 भदईपुरा निवासी सोहिल पुत्र रियासत ने रम्पुरा चौकी पुलिस को दी तहरीर में बताया कि भदईपुरा रामलीला ग्राउंड के सामने उसकी 'भारत मोबाइल शॉप' के नाम से दुकान है, जहां वह मोबाइल रिपेयरिंग का कार्य करता है। बीती 11 जनवरी की रात करीब सवा दस बजे वह अपनी दुकान को अच्छी तरह बंद करके घर गया था। अगले दिन सुबह करीब 10 बजे एक ग्राहक ने उसे फोन पर सूचना दी कि उसकी दुकान के ताले टूटे हुए हैं। सूचना मिलते ही सोहिल आनन-फानन में मौके पर पहुंचा तो देखा कि दुकान के भीतर का सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था। जांच करने पर पता चला कि दुकान में रिपेयरिंग के लिए आए ग्राहकों के करीब 22 मोबाइल फोन गायब थे। इनमें सैमसंग एफ 15 5जी और ओप्पो ए 15 जैसे कीमती फोन भी शामिल थे। इसके अतिरिक्त चोरों ने दुकान में रखे 15 अन्य छोटे-बड़े पुराने मोबाइल, मोबाइल एसेसरीज और इन्वर्टर की बैटरी पर भी हाथ साफ कर दिया। घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस से गुहार लगाई है कि उसकी दुकान में हुई चोरी का खुलासा कर माल बरामद किया जाए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात चोरों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही शुरू कर दी है। क्षेत्र में चोरी की घटना के बाद अन्य दुकानदारों में भी असुरक्षा का माहौल है।

मोबाइल हैक कर..उसे भारी मानसिक व आर्थिक क्षति पहुंची है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात साइबर अपराधियों के विरुद्ध कंप्यूटर संसाधनों के दुरुपयोग और धोखाधड़ी की धाराओं में मामला पंजीकृत कर लिया है। पुलिस अब उन ट्रांजैक्शन की कड़ियों को जोड़कर आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

कांग्रेस ने किया पुलिस...हत्या नहीं बल्कि सिस्टम द्वारा की गई हत्या है। जब तक दोषियों को जेल नहीं भेजा जाता और लापरवाह उच्चाधिकारियों पर गाज नहीं गिरती, कांग्रेस शांत नहीं बैठेगी। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने मामले को किसानों के सम्मान और सुरक्षा से जोड़ते हुए कहा कि भाजपा राज में अन्नदाता बेबस और लाचार महसूस कर रहा है। उन्होंने कहा कि सुखवंत सिंह का वीडियो इस बात का पुख्ता सबूत है कि ऊधम सिंह नगर पुलिस माफियाओं के इशारे पर काम कर रही है। जब तक वहां के एसएसपी को पद से नहीं हटाया जाता, तब तक निष्पक्ष जांच की उम्मीद करना बेमानी है। आर्य ने चेतावनी दी कि यह केवल एक विरोध प्रदर्शन नहीं है, बल्कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए शुरू किया गया एक व्यापक जन-आंदोलन है। पुलिस मुख्यालय कूच के दौरान कांग्रेसियों को रोकने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया था, जिससे कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। प्रदर्शन में कांग्रेस के तमाम विधायक, सिख समाज के प्रतिनिधि, युवा कांग्रेस और महिला कांग्रेस के पदाधिकारी भारी संख्या में शामिल रहे। सिख समाज के लोगों ने भी इस घटना पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए इसे कौम के प्रति पुलिस की संवेदनहीनता बताया। कांग्रेस ने स्पष्ट किया है कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो आने वाले दिनों में उधम सिंह नगर से लेकर देहरादून तक चक्का जाम किया जाएगा।

विधायक अरविन्द पांडे ....आरोप को बढ़ावा नहीं देना चाहते और यदि उनके इस कदम से मामला शांत होता है तथा पीड़ित परिवार संतुष्ट होता है, तो उन्हें प्रसन्नता होगी।विधायक पांडे के इस कदम के बाद मामले ने नया मोड़ ले लिया है। जहां एक ओर उनके समर्थक इसे उनके आत्मविश्वास और पारदर्शिता का प्रमाण बता रहे हैं, वहीं राजनीतिक हलकों में इस कदम को आगामी जांच और घटनाक्रमों से जोड़कर देखा जा रहा है। फिलहाल गेंद प्रशासन के पाले में है और अब सभी की नजरें एसडीएम के आगे के निर्णय पर टिकी हैं।

62 **लाख की स्मैक...**बरामद हुई। दूसरे आरोपी रामचंद्र पुत्र लीलाधर, निवासी भेटाखास, थाना कटरा, तहसील तिलहर, जिला शाहजहांपुर (उत्तर प्रदेश) के पास से 82 ग्राम स्मैक मिली। दोनों आरोपियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर मुखानी थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे स्वयं नशे के आदी हैं और अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए स्मैक लाकर क्षेत्र में बेचते थे। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है। तस्करों की गिरफ्तारी से पुलिस को क्षेत्र में नशे की आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ने में बड़ी मदद मिलने की उम्मीद है। कार्रवाई में मुखानी थाना और एसओजी की टीम शामिल रही, जिसमें चौकी आरटीओ प्रभारी उपनिरीक्षक वीरेंद्र चंद, कांस्टेबल धीरज सुगड़ा, बंशीधर जोशी, भूपेंद्र ज्येष्ठा, संतोष बिष्ट और अरुण राठौर की अहम भूमिका रही। पुलिस का कहना है कि ड्रग्स माफिया के खिलाफ अभियान आगे भी और तेज गति से जारी रहेगा, ताकि हल्द्वानी एवं आसपास के क्षेत्रों को नशे की गिरफ्त से मुक्त किया जा सके।

नियमों को ताक पर रख ....अल्मोड़ा के लोक सूचना अधिकारी दीपक चन्द्र जोशी ने पत्रांक 39 दिनांक 03-01-26 से 3 बोर्ड बैठकों दिनांक 07 फरवरी 2025, 29 अप्रैल 2025 तथा 05 अगस्त 2025 के कार्यवृत्त की फोटो प्रतियां उपलब्ध करायी हैं। महापौर अजय वर्मा की अध्यक्षता तथा 40 पार्षदों की उपस्थिति में हुई 07 फरवरी की बोर्ड बैठक में 44 प्रस्ताव पारित किये गये। 29 अप्रैल 2025 की महापौर अजय वर्मा की अध्यक्षता तथा 37 पार्षदों की उपस्थिति में हुई बैठक में 63 प्रस्ताव पारित किये गये। 05 अगस्त को महापौर की अध्यक्षता तथा 36 पार्षदों की उपस्थिति में आयोजित बैठक में 43 प्रस्ताव पारित किये गये। नगर निगम पिथौरागढ़ के लोक सूचना अधिकारी/सहायक नगर आयुक्त द्वारा अपने पत्रांक 1259 दिनांक 29-11-2025 के साथ 05 बोर्ड बैठकों के कार्यकृत की फोटो प्रति उपलब्ध करायी गयी। नगर प्रमुख कल्पना देवाल की अध्यक्षता तथा 37 पार्षदों की उपस्थिति में दिनांक 06 फरवरी 2025 को बोर्ड बैठक आयोजित की गयी। इसमें 05 प्रस्ताव पारित किये गये। दिनांक 22 फरवरी 2025 को नगर प्रमुख की अध्यक्षता तथा 36 पार्षदों की उपस्थिति में आयोजित बैठक में 03 प्रस्ताव पारित किये गये। 10 मार्च की महापौर की अध्यक्षता तथा 38 पार्षदों की उपस्थिति में आयोजित बैठक में 17 प्रस्ताव पारित किये गये। 21 अप्रैल को महापौर की अध्यक्षता तथा 34 पार्षदों की उपस्थिति में आयोजित बैठक में 9 प्रस्ताव, 03 सितम्बर 2025 को महापौर की अध्यक्षता तथा 30 सदस्यों की उपस्थिति में 9 प्रस्ताव पारित किये गये। नगर निगम चुनाव कानून सहित 46 कानूनी व जागरूक पुस्तकों के लेखक नदीम उद्दीन (एडवोकेट) ने बताया कि नगर निगम अधिनियम की धारा 88 के अनुसार निगम के प्रतिवर्ष कम से कम 6 अधिवेशन होंगे और आगामी अधिवेशन की प्रथम बैठक का अंतर दो माह से अधिक नहीं होगा। महापौर जब उचित समझे निगम का अधिवेशन बुला सकता हैं। निगम के कुल सदस्यों के छठे भाग या अधिक द्वारा लिखित प्रार्थना पर अधिवेशन अवश्य बुलाया जायेगा। धारा 88 के अनुसार निगम का प्रत्येक अधिवेशन/बैठकें जनता के लिये सामान्यता खुला रहेगा। धारा 91 में स्पष्ट किया गया हैं कि अधिवेशन के लिये अधिवेशनों में सम्पादित किये जाने वाले सभी कार्यों सहित इसकी लिखित सूचना प्रत्येक सदस्य (पार्षद) के पते पर अधिवेशन से कम से कम 96 घंटे (4 दिन) पूर्व दी जायेगी। यदि पार्षद/सदस्य कोई प्रस्ताव लाना चाहता हैं तो वह इसकी प्रतिलिपि तथा इसकी सूचना नगर आयुक्त को 48 घंटे पहले भेजेगा। धारा 92 के अनुसार निगम के अधिवेशन में बहुमत से निर्णय होगा। धारा 98 के अनुसार निगम के प्रत्येक पार्षद को अधिनियम को लागू करने तथा नगर निगम से जुड़े किसी भी विषय पर प्रश्न पूछने का अधिकार है।

दर्जा मंत्री ने रैन बसेरों का...बीच जाकर उनसे सीधा संवाद किया। उन्होंने बिस्तर की गुणवत्ता, पेयजल की उपलब्धता और सुरक्षा के इंतजामों पर सवाल पूछे। साथ ही रैन बसेरा में तैनात कर्मचारी से भी जानकारी ली। रूहेला ने वहाँ मौजूद लोगों से कहा आप हमारे प्रदेश के मेहमान हैं और आपकी सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। यदि प्रशासन की ओर से कोई कमी महसूस हो तो निसंकोच बताएं, सरकार आपके साथ खड़ी है। बाद में उन्होंने महापौर के साथ मिलकर निर्धन लोगों को कंबल भी वितरित किये जिससे उनके चेहरों पर राहत की मुस्कान तैर गई।मीडिया से औपचारिक बातचीत के दौरान विनय रूहेला ने कहा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पूरे प्रदेश के जिलाधिकारियों और संबंधित अधिकारियों को बेहद सख्त हिदायत दी है कि ठंड के कारण किसी भी स्तर पर जनहानि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकार का आपदा प्रबंधन विभाग हर परिस्थिति पर नजर रखे हुए है। अस्पतालों में कोल्ड वेव से निपटने के लिए पर्याप्त दवाएं और वार्म वार्ड तैयार किए गए हैं। सार्वजनिक स्थानों पर अलाव की व्यवस्था को लेकर जिलों से लगातार रिपोर्ट ली जा रही है। मैंने खुद जिले के कई क्षेत्रों का दौरा किया है, कुछ स्थानों पर मामूली कमियां थीं जिन्हें तुरंत दुरुस्त कराया गया, लेकिन रुद्रपुर नगर निगम की व्यवस्थाएं वाकई चाक-चौबंद और सराहनीय हैं। उन्होंने आगे कहा कि विकास शर्मा के नेतृत्व में रुद्रपुर नगर निगम ने गुड गवर्नेंस का जो मानक स्थापित किया है, वह अन्य नगर निगमों के लिए प्रेरणादायी है।उन्होंने कहा कि मुख्यममंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन में महापोर विकास शर्मा बेहतर काम कर रहे हैं। रूद्रपुर नगर निगम बुनियादी सुविधाओं के साथ साथ अन्य जरूरी सुविधायें जन सामान्य तक पहुंचाने का काम बखूबी कर रहा है। जब से महापौर के रूप में विकास शर्मा ने कुर्सी संभाली है तब से रूद्रपुर में बड़े परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं। इस अवसर पर महापौर विकास शर्मा ने कहा कि शीत लहर से राहत के लिए नगर निगम हरसंभव प्रयास कर रहा है। पिछले कुछ दिनों में नगर निगम 140 कुंटल लकड़ी अलाव के रूप में जला चुका है। सार्वजनिक स्थानों पर लगातार अलाव जलाये जा रहे हैं इसकी मानीटरिंग वह खुद कर रहे हैं। रैन बसेरों में सभी इंतजाम किये गये हैं। इसके अलावा गरीब जरूतमंदों को कम्बल वितरण का अभियान भी चलाया गया है। हमारा प्रयास है कि कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति कंबल या आश्रय के अभाव में ठंड न झेले।

धार्मिक आयोजनों से मिलती है आत्मिक शांतिः ठुकराल

रूद्रपुर । रम्पुरा क्षेत्र में आयोजित श्रीमद भागवत कथा के दौरान पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने शिरकत की। इस दौरान उन्होंने कथा व्यास पूज्य सुमित शिवम शास्त्री से आशीर्वाद प्राप्त किया और उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कथा श्रवण करने पहुंचे ठुकराल ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि श्रीमद भागवत कथा के श्रवण से न केवल आत्मिक शांति मिलती है, बल्कि यह मनुष्य को सत्कर्मों के मार्ग पर चलने की प्रेरणा भी देती है। उन्होंने कहा कि भक्ति और सत्संग के माध्यम से ही समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार संभव है। इस धार्मिक

आयोजन में पूर्व विधायक के साथ मुख्य रूप से रुद्रांश सिंह, ओमपाल कोली, दर्शन कोली, बीरू कोली, बाबू कोली, ओमप्रकाश कोली, भगवान दास, शिवम कोली, राजेश कोली, दीपक कोली, बबलू कोली, पप्पू कोली, संजू कोली, विकी कोली, सुनील कुमार, रोहित कोली, अमित कोली, सतीश कोली, प्रीतम कोली, नरेश कोली उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महिलाओं की भी भारी भागीदारी रही, जिनमें वार्ड 24 की पार्षद सोनी कोली, चंद्रकाली कोली, गीता कोली, पिंकी कोली, अनीता सिंह, काजल कोली, रजनी कोली, भगवान देई, लक्ष्मी कोली, सीमा कोली, नीतू कोली, रज्जो कोली, किरण कोली, सिमरन कोली, ओमवती कोली, सरोज चंद्रा, कांति कोली, उर्मिला कोली और माया सहित अनेक श्रद्धालु शामिल थे। कथा के दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा और अंत में भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया।

हरियाणा के अंतरराज्यीय गैंग पर लगा गैंगस्टर एक्ट

किच्छा। संगठित अपराध और अंतरराज्यीय अपराधियों के खिलाफ किच्छा पुलिस ने कड़ा शिकंजा कसते हुए एक शातिर गैंग पर गैंगस्टर अधिनियम के तहत बड़ी कार्रवाई की है। प्रभारी निरीक्षक श्री प्रकाश सिंह की तहरीर पर पुलिस ने हरियाणा से संचालित होने वाले इस गैंग के लीडर सहित सात सदस्यों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस द्वारा जारी जानकारी के अनुसार इस गैंग का सरगना सूरज उर्फ माफिया निवासी सोनीपत हरियाणा है। यह गैंग संगठित होकर उत्तराखंड सहित अन्य राज्यों में चोरी, लूट और डकैती जैसी संगीन वारदातों को अंजाम देता था। पुलिस ने इनके विरुद्ध मुकदमा अपराध संख्या 19/2026 धारा 2/3 गैंगस्टर अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत किया है। नामजद आरोपियों में गैंग लीडर सूरज उर्फ माफिया के साथ हरेन्द्र उर्फ बिट्टू, साहिल, राहुल पुत्र भूप सिंह, मोहित जाधव, अजीत घोष और राहुल पुत्र राजेन्द्र शामिल हैं। ये सभी आरोपी हरियाणा के सोनीपत और रोहतक जिलों के रहने वाले हैं। जांच में यह तथ्य सामने आया है कि यह गैंग पूरी तरह से संगठित होकर आर्थिक लाभ के लिए अपराध करता था। ये अपराधी न केवल क्षेत्र में भय का माहौल पैदा कर रहे थे बल्कि योजनाबद्ध तरीके से विभिन्न राज्यों की सीमाओं को पार कर आपराधिक घटनाएं कारित करते थे। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि गैंगस्टर एक्ट लगाने का मुख्य उद्देश्य अपराधियों के नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त करना और उनकी अवैध रूप से अर्जित संपत्ति पर कानूनी प्रहार करना है।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रूद्रपुर,ऊधमसिंहनगर ;उत्तराखण्डद्धसे मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक- परमपाल सुखीजा
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
पफोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

कैबिनेट मंत्री बहुगुणा के प्रयासों से 22 करोड़ की योजना मंजूर

सितारगंज को बाढ़ से बचाने के लिए पांच योजनाओं की स्वीकृति

सितारगंज। कैलाश और बेगूल नदी के प्रकोप से सितारगंज, सिडकुल और शक्तिफार्म को बाढ़ से बचाने के लिए सिंचाई विभाग की पांच बाढ़ सुरक्षा योजनाओं को मंजूरी मिल गयी है। वित्तीय स्वीकृति का जीओ जारी होने के बाद सितारगंज शहर, सिडकुल क्षेत्र, शक्तिफार्म के सुरेंद्रनगर व रूदपुर, गगनपुर, नकुलिया, कैलाशपुरी, एजनिया, बिजटी, मटिहा व सिडकुल आदि क्षेत्रों को बाढ़ से राहत मिलेगी। यहां हर वर्ष कटाव से भारी नुकसान हो रहा है। बरसात के दिनों में पर्वतीय क्षेत्रों में होने वाली बारिश से कैलाश व बैगुल नदियों का जलस्तर काफी बढ़ जाता है। दोनों नदियां लगातार कटाव कर रही है। बैगुल नदी बरसात में हर वर्ष काफी नुकसान पहुंचाती है। बैगुल नदी के कटाव से एक ओर औद्योगिक क्षेत्र, दूसरी ओर शक्तिफार्म के गांव व बैगुल पुल के आगे से सितारगंज शहर को बाढ़ का खतरा रहता है। कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा के प्रयासों से हाल में सिसौना, राजनगर क्षेत्र को बाढ़ से बचाने के लिए 1.81 करोड़ की एक योजना को मंजूरी मिली थी। जिसमें 72.46 लाख की पहली किस्त भी जारी होने के बाद निर्माण शुरू करने की प्रक्रिया शुरू हो गयी है। वहीं कैलाश नदी से रसोइयापुर, झुकहा, कौंधारतन आदि गांवों की बाढ़ सुरक्षा के लिए 2.53 करोड़ की योजना को मंजूरी मिली थी। जिसमें 1.01 करोड़ की प्रथ किस्त जारी हो चुकी है। मंत्री सौरभ बहुगुणा के निर्देश पर बैगुल नदी से बाढ़ सुरक्षा के लिए बाढ़

सुरक्षा योजनाओं के सिंचाई खण्ड ने प्रस्ताव तैयार किये है। देहरादून में टीएएसी की बैठक में इन योजनाओं को मंजूरी मिली है। सितारगंज में बैगुल नदी के बाये पार्श्व पर स्थित सिडकुल क्षेत्र ट्रांसपोर्ट हब एवं सुरेन्द्रनगर को बाढ़ से बचाव के लिए 8.09 करोड़ की योजना को मंजूरी दी है। वहीं बैगुल नदी के दाये पार्श्व में स्थित ग्राम रूदपुर के आबादी क्षेत्र , सड़क, पुल एवं भूमि को बैगुल नदी की बाढ़ से बचाने के लिए 1.50 करोड़ की योजना को टीएसी ने मंजूरी दी है। कैलाश नदी के दाये व बाये पार्श्व पर स्थित ग्राम गगनपुर, नकुलिया, कैलाशपुरी के आबादी क्षेत्र एवं कृषि भूमि को कैलाश नदी की बाढ़ से बचाव के लिए 1.53 करोड़ की योजना को टीएसी ने स्वीकृति दी है। एक अन्य योजना में कैलाश नदी की बाढ़ की बाढ़ से ग्राम एजनिया, बिजटी, मटिहा को बचाने के लिए 1.96 करोड़ की योजना को मंजूरी मिली है। कैलाश नदी के दाये पार्श्व पर स्थित सिडकुल क्षेत्र को बाढ़ से बचाने के लिए 9.20 करोड़ की योजना को टीएसी ने मंजूरी दी है। सिंचाई खण्ड के अधिशासी अभियंता एएस नेगी ने बताया कि पांच योजनाओं को टीएसी में स्वीकृति के बाद वित्तीय, प्रशासनिक स्वीकृति के जीओ मिलने पर कार्य शुरू होंगे।

कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने शक्तिफार्म, सितारगंज, सिडकुल को कैलाश, बैगुल नदी में हर वर्ष आने वाली बाढ़ से बचाने के लिए लगातार स्थाई प्रबंध कर जनसेवक की भूमिका अदा कर रहे हैं। उनका मैं सभी क्षेत्रवासियों की तरफ से आभार प्रकट करता हूं।

मुकेश सनवाल
भाजपा मंडल अध्यक्ष सितारगंज

क्षेत्र को बाढ़ की जटिल समस्या से बचाने के लिए कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा निरंतर बाढ़ सुरक्षा योजना के माध्यम से आमजन और किसानों को राहत पहुंचाने का काम कर रहे हैं। इन पांचों योजनाओं के धरातल पर उतरने के बाद नदियों से होने वाले कटान, जलभराव की समस्या से आमजन को राहत मिलेगी।

सूरज नारायण,जिला पंचायत सदस्य

भूमि विवादों को लेकर एक्शन में प्रशासन,एक सप्ताह में मांगी रिपोर्ट

रूद्रपुर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा भूमि विवादों के त्वरित निस्तारण हेतु दिए गए विशेष निर्देशों के बाद जनपद ऊधम सिंह नगर का प्रशासन पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया के आदेश पर गठित विशेष समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक गुरुवार को अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय की अध्यक्षता में आयोजित की गई। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) पंकज उपाध्याय ने बैठक के दौरान सख्त रुख अपनाते हुए सभी उप जिलाधिकारियों , नगर आयुक्तों और चकबंदी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनपद में लंबित सभी भूमि विवादों का अभियान चलाकर परीक्षण किया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि एक सप्ताह के

भीतर इन सभी प्रकरणों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए, ताकि विवादों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित हो सके। बैठक में एडीएम ने कहा कि भूमि विवादों का केवल निस्तारण ही काफी नहीं है, बल्कि उनकी प्रकृति, उनसे जुड़े पक्षों, विवाद के मूल कारणों और उनसे कानून व्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभावों का समग्र आकलन किया जाना आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि समिति इन सभी पहलुओं की जांच कर एक विस्तृत रिपोर्ट शासन को भेजेगी। उन्होंने कहा कि भूमि विवादों के कारण जिले की कानून व्यवस्था प्रभावित करने वाले किसी भी मामले को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। वर्चुअल माध्यम से जुड़े अधिकारी बैठक में समिति के सदस्य अपर जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्र, उप जिलाधिकारी मनीष बिष्ट, अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. उत्तम सिंह नेगी और बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी किशोरी कुटियाल व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहे। वहीं, जिले के अन्य सभी उप जिला अधिकारी और नगर आयुक्त वर्चुअल माध्यम (वीसी) से बैठक में शामिल हुए। प्रशासन की इस पहल से उम्मीद जताई जा रही है कि सालों से लंबित पड़े भूमि संबंधी मामलों में जनता को जल्द राहत मिलेगी।

किच्छा में युवक पर लाठी-डंडों से किया हमला, पैर की हड्डी टूटी

किच्छा(उद संवाददाता) । कोतवाली किच्छा क्षेत्र के कपनेरी गांव में एक युवक के साथ बेरहमी से मारपीट का मामला सामने आया है। आरोपियों ने युवक पर लाठी-डंडों से हमला कर उसके पैर की हड्डी तोड़ दी और परिवार को जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। कपनेरी निवासी पूनम पुत्री श्रीराम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि आरोपियों ने एकराय होकर उसके भाई गोविंद पर अचानक हमला कर दिया। हमलावरों ने लाठी-डंडों से गोविंद को बुरी तरह पीटा, जिससे उसके बाएं पैर की हड्डी टूट गई और वह लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा। शोर शराबा सुनकर जब परिवार के लोग बीच-बचाव करने आए, तो आरोपियों ने उनके साथ भी गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। परिजनों ने आनन-फानन में घायल गोविंद को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। इस घटना के बाद से पीड़ित परिवार दहशत में है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी अश्वनी पुत्र चन्दर, अभिषेक पुत्र विजय पाल और संजू पुत्र कान्ता प्रसाद के विरुद्ध मामला पंजीकृत कर लिया है। कोतवाली पुलिस का कहना है कि आरोपियों की तलाश के लिए दबिश दी जा रही है और मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है।

बीमार युवक के लिए 'देवदूत' बनकर पहुंचे महापौर

राजनीति के बीच मानवता की मिसाल,घर पहुंचकर जाना हाल, खुद एम्बुलेंस बुलाकर कराया भर्ती

रुद्रपुर। महापौर विकास शर्मा ने एक बार फिर साबित किया है कि उनके सख्त फैसलों के पीछे एक बेहद संवेदनशील और कोमल हृदय भी धड़कता है। शहर के रम्पुरा क्षेत्र में एक गरीब परिवार की लाचारी और 28 वर्षीय युवक की मौत से जंग की खबर मिलते ही महापौर ने सारे काम छोड़ दिए और मदद के लिए खुद उसके द्वार जा पहुँचे। महापौर विकास शर्मा नगर निगम कार्यालय में फाइलों और रूटीन बैठकों में व्यस्त थे, तभी पार्टी कार्यकर्ता ममता सैनी और सरोज रानी ने उन्हें एक सूचना दी। सूचना रम्पुरा निवासी दीपक की थी, जो महज 28 साल की उम्र में पीलिया जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहा था। परिवार इतना लाचार है कि

उचित उपचार तो दूर, उसे अस्पताल ले जाने तक की स्थिति में नहीं है। इस सूचना को सुनते ही महापौर का मन विचलित हो उठा। उन्होंने न तो फाइलें निपटाईं और न ही इंतजार किया, बल्कि सीधे रम्पुरा की तंग गलियों की ओर निकल पड़े। जब महापौर दीपक के घर पहुँचे, तो दृश्य विचलित करने वाला था। पीलिया से बेदम दीपक बिस्तर पर पड़ा जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहा था और उसके पास केवल आंसू थे। महापौर ने न केवल दीपक का हाल जाना, और उसे ढांढस भी बंधाया। उन्होंने मौके से ही चिकित्सा अधिकारियों को फोन लगाया और स्थिति की गंभीरता से अवगत कराया। महापौर ने तत्काल एम्बुलेंस मंगवाई और खुद खड़े होकर युवक को जिला अस्पताल भिजवाया। उन्होंने डॉक्टरों को स्पष्ट निर्देश दिए कि उपचार में कोई कोताही न बरती जाए और युवक की जान बचाना ही पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। बीमारी के संक्रमण को देखते हुए महापौर ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए तत्काल नगर निगम की टीम को मौके पर बुलाया। उन्होंने न केवल अस्पताल भिजवाने की व्यवस्था की, बल्कि दीपक के निवास स्थान और आसपास के क्षेत्र में सघन सफाई अभियान चलवाकर कीटनाशकों का छिड़काव भी कराया, ताकि बीमारी और न फैले। इस दौरान महापौर विकास शर्मा ने कहा पद और प्रतिष्ठा सेवा के माध्यम हैं। नगर निगम केवल नालियों और सड़कों के लिए नहीं है, बल्कि यह हर उस नागरिक का सहारा है जो खुद को लाचार महसूस करता है। दीपक जैसे युवाओं का जीवन बचाना ही हमारा वास्तविक कर्तव्य है। मानवता की सेवा ही ईश्वर की सच्ची पूजा है और मेरा संकल्प है कि रुद्रपुर का कोई भी नागरिक अभाव के कारण दम न तोड़े।